E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

12th ANNIVERSARY

वर्ष -12 अंक - 48 | प्रयागराज, सोमवार 27 अप्रैल, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

वॉशिंगटन में डिनर के दौरान फायरिंग, ट्रम्प मौजूद थे,हमलावर पकड़ाया,दावा-7 राउंड फायरिंग हुई

वॉशिंगटन। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में सालाना व्हाइट हाउस कॉरस्पॉन्डेंट डिनर के दौरान फायरिंग हो गई। शनिवार शाम के इस कार्यक्रम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, पत्नी मेलानिया और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस समेत कई बडे .अफसर मौजूद थे। न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक हमलावर ने होटल के बॉलरूम के बाहर फायरिंग की। ट्रम्प और गेस्ट बॉलरूम के अंदर थे। ट्रम्प ने बताया कि हमलावर को पकड़ लिया गया है। हालांकि, पहले खबर आई थी कि हमलावर को मार गिराया गया। हमले के करीब डेढ़ घंटे बाद ट्रम्प ने मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने कहा- अमेरिका के संविधान पर हमला हुआ। सीक्रेट सर्विस ने मेरी जान बचाई। सुरक्षाकर्मियों ने बहादुरी से काम किया। जिस अफसर को गोली लगी, वह सुरक्षित है। उसने बुलेटप्रूफ जैकेट पहनी थी। हमलावर के पास पावरफुल गन थी। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर राहत जताई कि राष्ट्रपति ट्रम्प, फर्स्ट लेडी और

उपराष्ट्रपति जेडी वेंस समेत सब सुरक्षित है। उन्होंने आगे लिखा, 'लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है और इसकी स्पष्ट शब्दों में निंदा की जानी चाहिए।' बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, हमलावर की पहचान 31 साल के कोल थोमस एलन के रूप में हुई है। वह अमेरिका के कैलिफोर्निया का है। पब्लिक रिकॉर्ड्स के अनुसार, एलन पार्ट-टाइम टीचर और वीडियो गेम डेवलपर था। उसकी प्रोफाइल के मुताबिक, वह दिसंबर 2024 में 'टीचर ऑफ द मंथ' चुना गया था। उसने कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेकनोलॉजी से 2017 में मैकेनिकल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन किया। पिछले साल कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी डोमिंगुएज हिल्स से कंप्यूटर साइंस में मास्टर्स डिग्री हासिल की थी। पुलिस विभाग के अंतरिम चीफ जेफरी कैरोल के मुताबिक, हमलावर उसी होटल में मेहमान था, जहां व्हाइट हाउस कॉरस्पॉन्डेंट का डिनर कार्यक्रम हो रहा था। जिस कमरे में वह ठहरा था, पुलिस उसकी भी जांच कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, हमलावर के पास एक शॉटगन, एक हैंडगन और कई चाकू थे। वॉशिंगटन डीसी की मेयर ने बताया कि हमलावर का अभी अस्पताल में इलाज चल रहा है। अमेरिकी अटॉर्नी ने बताया कि हमलावर पर दो आरोप लगे हैं। पहला, हिंसक अपराध के दौरान हथियार इस्तेमाल करना। दूसरा, खतरनाक हथियार से फेडरल अधिकारियों पर हमला करना। हमलावर को सोमवार को फेडरल अदालत में पेश किया जाएगा। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा, वॉशिंगटन में आज की शाम काफी हलचल भरी रही।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

भाजपा ने केजरीवाल के नए आवास की तस्वीरें जारी कीं, बोला- आलीशान जीवन जी रहे, उनके मन में शीशमहल, 'आप' ने कहा- फोटो फर्जी हैं

नयी दिल्ली। बीजेपी ने शनिवार को दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के 95 लोधी एस्टेट के आवास की तस्वीरें जारी कीं। दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा ने आरोप लगाया कि उनके मन में अभी भी 'शीशमहल' रहता है। उन्होंने अपने सरकारी आवास को आलीशान बनाने के लिए करोड़ों रुपए खर्च किए हैं। अरविंद 24 अप्रैल को नए सरकारी आवास में शिफ्ट हुए थे। वर्मा ने कहा, 'केजरीवाल लंबे समय से सरकारी बंगले के लिए अदालत जा रहे थे। अब उन्हें 95 लोधी एस्टेट में आवास मिला है। तस्वीरें देखकर हैरानी हुई। जो सादगी की बात करते थे, वे आज लग्जरी में रह रहे हैं।' 'आप' नेता आतिशी ने सभी फोटो को फर्जी बताया है। उन्होंने कहा- ये फोटोज केजरीवाल के घर के नहीं हैं। अगर यह जानना है कि किसका घर कितना आलीशान है, तो रेखा गुप्ता और एलजी साहब अपने-अपने घर खोलें। केजरीवाल जी भी अपना घर खोलेंगे। इसके बाद जनता खुद तय कर लेगी। प्रवेश वर्मा ने कहा- 'शीश महल- 2' का खुलासा करने जा रहे-प्रवेश वर्मा ने कहा, 'दिल्ली के 'रहमान डकैत', जिस तरह फिल्म 'धुरंधर' का सीक्वल आया है, उसी तरह आज हम 'शीश महल 2' का खुलासा करने जा रहे हैं। जब दिल्ली कोविड की लहर से जूझ रही थी, तब अरविंद ने दिल्ली में शीश महल बनवाया। 'दिल्ली के लोग कोविड की दवाइयों की मांग कर रहे थे और मर रहे थे। उस समय भी केजरीवाल के आदेश पर शीश महल का काम एक दिन के

लिए भी नहीं रुका। जब 'धुरंधर' दिल्ली के वोटरों ने दिल्ली के 'रहमान डकैत' को हरा दिया, तो वह पंजाब चले गए।' 'भगवंत मान की मुश्किलें बढ़ा दीं। भगवंत मान के घर के आसपास के चार बड़े सरकारी मकानों में से एक में केजरीवाल, दूसरे में पूर्व दिल्ली स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन, तीसरे में राज्यसभा सांसद संजय सिंह और एक अन्य में मनीष सिसोदिया रह रहे थे।' उन्होंने आगे कहा, 'पंजाब में भगवंत मान परेशान हैं। वहां भी उन्होंने एक और शीश महल बनवाया। आज दिल्ली में वह कई सालों से कोर्ट जाकर बंगले की मांग कर रहे थे। और जब उन्हें वह बंगला मिला, जिसमें वह कल शिफ्ट हुए- 95 लोधी एस्टेट तो उसकी तस्वीरें सामने आने पर हम हैरान रह गए। जो व्यक्ति सादगी से रहने की बात करता था, आज वह बेहद आलीशान जीवन जी रहा है।' केजरीवाल शुक्रवार को सरकारी आवास में शिफ्ट हो गए। केंद्र ने उन्हें राष्ट्रीय पार्टी के अध्यक्ष के तौर पिछले साल अक्टूबर में 95 लोधी एस्टेट में एक बंगला आवंटित किया था। अभी वह पंजाब से 'आप' के राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल को आवंटित सरकारी आवास में रह रहे थे। इस सरकारी आवास के लिए उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। इसमें सुनवाई के दौरान केंद्र ने अदालत से कहा था कि 10 दिनों के भीतर उन्हें आवास दे दिया जाएगा। इसी के तहत 95 लोधी एस्टेट में आवास आवंटित हुआ था। करीब 5,000 वर्गफुट में फैला यह टाइप-7 बंगला सरकारी आवास की दूसरी सबसे बड़ी कैटेगरी में आता है। इसमें चार बेडरूम, हॉल, डाइनिंग रूम, वेटिंग रूम, ऑफिस स्पेस, दो लॉन, एक गैराज और तीन सर्वेंट क्वार्टर हैं। सीएम आवास की तस्वीरें, बीजेपी इसे 'शीशमहल' कहती थी- केजरीवाल 2015 से 2024 तक दिल्ली के सीएम थे। इस दौरान वे 6 फ्लैगस्टाफ रोड के बंगले में रहे। यही सीएम आवास था। भाजपा का आरोप है कि केजरीवाल ने इसे 'शीशमहल' बनाया था। इसे आलीशान बनाने के लिए करोड़ों रुपए खर्च किए। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट में भी खुलासा हुआ कि रिनोवेशन पर तय अनुमान से करीब 342फीसदी ज्यादा खर्च किया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, शुरुआत में इस काम की अनुमानित लागत करीब 7.91 करोड़ रुपए थी, लेकिन अंतिम खर्च बढ़कर 33.66 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। इसमें से लगभग 18.88 करोड़ रुपए महंगे इंटीरियर, सजावटी और एंटीक सामान पर खर्च किए गए।

ट्रम्प- ईरान में फैसले कौन ले रहा साफ नहीं,अमेरिकी अधिकारियों का पाकिस्तान दौरा रद्द किया, लेकिन हमला शुरू नहीं करेंगे

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान में फैसले कौन ले रहा है, यह साफ नहीं है। उन्होंने ईरान से बातचीत के लिए पाकिस्तान जाने वाले अपने दूत स्टीव विटकॉफ और जारेड कुशनर का दौरा रद्द कर दिया। ट्रम्प ने कहा कि 18 घंटे की लंबी यात्रा का कोई फायदा नहीं था और इसमें समय बर्बाद हो रहा था। ट्रम्प ने यह भी साफ किया कि इस फैसले का मतलब यह नहीं है कि अमेरिका ईरान के साथ फिर से जंग शुरू करेगा। उन्होंने कहा कि इस बारे में अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है। ट्रम्प ने दावा किया कि मौजूदा हालात में अमेरिका मजबूत स्थिति में है और 'हमारे पास सारे पत्ते हैं।' उन्होंने यह भी कहा कि अगर ईरान बातचीत करना चाहता है, तो वह खुद अमेरिका से संपर्क कर सकता है। दूसरी तरफ ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची भी शनिवार को अमेरिकी अधिकारियों के पहुंचने से पहले ही पाकिस्तान से रवाना हो गए। उन्होंने पाक पीएम और आर्मी चीफ से मुलाकात कर ईरान की शर्तें और अमेरिकी मांगों पर अपनी आपत्तियां भी सौंपी। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स-ईरानी विदेश मंत्री बोले- पाकिस्तान दौरा

काफी उपयोगी रहाअब्बास अराघची ने पाकिस्तान दौरे को काफी उपयोगी बताया। उन्होंने शांति बहाल करने के लिए पाकिस्तान की कोशिशों की तारीफ की। जर्मनी होर्मुज स्ट्रेट मिशन में शामिल होगाजर्मनी ने कहा कि युद्ध खत्म होने के बाद वह होर्मुज स्ट्रेट से माइंस हटाने के अंतरराष्ट्रीय मिशन में हिस्सा लेगा। इजराइल ने हिजबुल्लाह का संदिग्ध ड्रोन मार गिरायाइजराइल ने वेस्टर्न गलीली इलाके में एयर डिफेंस सिस्टम से ड्रोन को नष्ट किया गया। इसे सीजफायर उल्लंघन बताया गया।मिनाब स्कूल हमले पर एआई वीडियो जारीईरान ने 28 फरवरी को मिनाब स्कूल हमले में मारी गई एक छात्रा का एआई वीडियो जारी किया। इसे फातिमा की कहानी नाम दिया। जंग के बाद हज यात्रियों का पहला जत्था मदीना पहुंचाईरान से हज यात्रियों का पहला जत्था सऊदी अरब पहुंचा। इसे दोनों देशों के संबंधों के सामान्य होने के तौर पर देखा जा रहा है।

जारी नौसैनिक नाकेबंदी के बीच अमेरिकी नौसेना ने अरब सागर में एम/वी सेवन नामक व्यापारी जहाज को इंटरसेप्ट किया है। जहाज को अपना रास्ता बदलने पर मजबूर किया गया और उसे वापस ईरानी जलक्षेत्र की ओर ले जाया जा रहा है। न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक, यह ऑपरेशन गाइडेड-मिसाइल डेस्ट्रॉयर यूएसएस पिंकनी के नेतृत्व में किया गया। यूएस सेन्ट्रल कमांड के मुताबिक, एम/वी सेवन उन 19 जहाजों में शामिल है जिन्हें अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने ईरान की शैडो फ्लीट का हिस्सा बताते हुए प्रतिबंधित किया है। अमेरिका ने इन जहाजों पर आरोप लगाया है कि ये तेल, गैस, प्रोपेन और ब्यूटेन जैसे ऊर्जा उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने में शामिल हैं।

कोलंबिया में बस पर विस्फोटक हमला, 13 की मौत समेत 38 घायल

कोलंबिया।कोलंबिया में एक बस को विस्फोटक डिवाइस से निशाना बनाया गया। यह घटना काहिबियो में पैनअमेरिकन हाईवे पर हुई। धमाके में 13 लोगों की मौत हो गई और करीब 38 लोग घायल हुए। घायलों में 5 बच्चे भी शामिल हैं। अधिकारियों के मुताबिक, बस के पास पहले से विस्फोटक लगाया गया था, जो गुजरते समय फट गया। सेना ने इसे आतंकी हमला बताया है और शक ड्रग तस्करी से जुड़े हथियारबंद गुटों पर है। पिछले दो दिनों में इस इलाके में 26 हमले हुए हैं। इनमें पुलिस स्टेशन पर गोलीबारी, रडार केंद्र पर हमला और विस्फोटकों से लैस ड्रोन बरामद होने की घटनाएं शामिल हैं। कोलंबिया के दक्षिण-पश्चिमी इलाके ड्रग तस्करी से ग्रस्त इलाके माने जाते हैं।

भागवत बोले- भारत विश्वगुरु जरूर बनेगा, कोई संदेह नहीं,राम मंदिर बनने को लेकर भी लोग शक करते थे

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयं सेवक प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि भारत निश्चित रूप से विश्वगुरु

बनेगा और इस पर किसी को संदेह नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक समय था, जब लोग अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर के निर्माण को लेकर संशय में रहते थे। इसे असंभव मानते थे। लेकिन आज वह मंदिर सबके सामने साक्षात खड़ा है। ठ्ठीक उसी प्रकार, भारत का विश्वगुरु के रूप में पुनरुत्थान भी पूरी तरह निश्चित है और इस यात्रा को रोका नहीं जा सकता। भागवत ने यह बात नागपुर में नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट परिसर में बनने वाले भारत दुर्गा शक्ति स्थल मंदिर के भूमि पूजन कार्यक्रम में कही। इस मौके पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज, स्वामी मित्रानंदजी महाराज, साध्वी ऋतंभरा और धीरेन्द्र शास्त्री सहित कई धार्मिक नेता भी मौजूद थे। आरएसएस चीफ ने कहा- देश के भविष्य को लेकर कोई संदेह न रखें और साहस व आत्मनिर्भरता के साथ जीवन जीएं। उनके मुताबिक, अगर लोग अपने संकल्प के अनुसार कदम-दर-कदम आगे बढ़ें, तो भारत मजबूत और नैतिक रूप से सशक्त बनेगा। उन्होंने कहा कि भारत के विश्वगुरु बनने का सपना निरंतर प्रयासों और सामूहिक अनुशासन के माध्यम से साकार होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस तरह का परिवर्तन वर्तमान पीढ़ी में देखा जा सकता है। उन्होंने कहा- भारत के भविष्य पर संदेह न करें। साहस और आत्मनिर्भरता के साथ जीएं और इन मूल्यों को अपने दैनिक जीवन में अपनाएं। भारत मजबूत होगा और दुनिया का मार्गदर्शन करेगा। लोगों को संदेह था कि राम मंदिर बनेगा या नहीं, लेकिन यह बन गया। उसी प्रकार भारत का विश्वगुरु बनना निश्चित है। डॉक्टर भागवत ने कहा कि भारत को यदि वास्तव में समझना है, **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

यूपी-बांदा में पारा 47.4से., बिहार के स्कूल में बच्चों को छाते बांटे,10 राज्यों में हीटवेव का अलर्ट

लखनऊ। देश में भीषण गर्मी का असर तेज हो गया है। गर्मी

बढ़ने के साथ देश में बिजली की मांग 252.07 गीगावॉट (जीडब्लू) तक पहुंच गई, जो अब तक सबसे ज्यादा है। इससे पहले मई 2024 में 250 जीडब्लू का रिकॉर्ड बना था। मौसम विभाग ने उत्तर-पश्चिम भारत के 10 राज्यों में हीटवेव और वार्म नाइट का अलर्ट जारी किया है। उत्तर प्रदेश का बांदा शनिवार को देश में सबसे गर्म शहर रहा। यहां तापमान 47.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। प्रयागराज में तापमान 45.5डिग्री, वाराणसी में 45डिग्री और झांसी में 44.8डिग्री रहा। लोगों को दोपहर 12 से 3 बजे के बीच घर से बाहर न निकलने की सलाह दी है। मध्य प्रदेश के इंदौर और ग्वालियर जिले में आंगनवाड़ी केंद्र और 8वीं तक के सभी स्कूल 27 से 30 अप्रैल तक बंद रहेंगे। वहीं बिहार के खगड़िया में सरकारी स्कूल में हेड मास्टर ने बच्चों को छाते बांटें। हिमाचल प्रदेश के ऊना में तापमान 42.2डिग्री रहा, हालांकि 27 अप्रैल से बारिश का अनुमान है। केरल और आंध्र प्रदेश में भी तापमान 40डिग्री के आसपास बना हुआ है और हीटवेव जैसी स्थिति बनी हुई है।

पेटीएम पेमेंट्स बैंक लाइसेंस आरबीआई ने रद्द किया,कहा- इसकी बैंकिंग सेफ नहीं

मुंबई। पेटीएम पेमेंट्स बैंक का कामकाज आज 24 अप्रैल से पूरी तरह बंद कर दिया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) का बैंकिंग लाइसेंस तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। आरबीआई ने कहा कि बैंक के कामकाज से ग्राहकों का पैसा सुरक्षित नहीं था। हालांकि, यूपीआई एप पहले की तरह चलता रहेगा। आरबीआई ने कहा है कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक के पास इतनी नकदी है कि बैंक बंद होने की प्रक्रिया के दौरान वह अपने सभी ग्राहकों की जमा राशि वापस कर सकता है। इसका मतलब यह है कि जमाकर्ताओं का पैसा डूबने की संभावना नहीं है। आरबीआई ने लाइसेंस रद्द करने की 4 वजह बताईं-ग्राहकों का नुकसानः बैंक जिस तरह से काम कर रहा था, उससे वहां पैसा जमा करने वाले लोगों का पैसा सुरक्षित नहीं था। मैनेजमेंट की लापरवाहीः बैंक चलाने वाले अधिकारियों का रवैया और फैसले आम जनता और खाताधारकों के फायदे में नहीं थे। जारी रखने का कोई फायदा नहींः रिजर्व बैंक को लगा कि इस बैंक को और ज्यादा चलाने से जनता को कोई लाभ नहीं होगा, बल्कि जोखिम ही बढ़ेगा। शर्तें तोड़ींः बैंक ने लाइसेंस लेते समय जो वादे और नियम (जैसे केवाईसी और फंड्स का सही इस्तेमाल) माने थे, उनका लगातार उल्लंघन किया गया। 4 सवाल में समझें यूजर पर क्या असर होगा-1. पेमेंट्स बैंक क्या होता हैं? जवाबः पेमेंट्स बैंक का कामकाज सामान्य बैंक (जैसे एसबीआई या पीएनबी) की तरह ही होता है, लेकिन इसकी कोई फिजिकल ब्रांच नहीं होती है। इसमें बैंकिंग के सभी काम- जैसे खाता खोलना, राशि जमा करना और

ट्रांजैक्शन मोबाइल एप के जरिए होता है। हालांकि, पेमेंट्स बैंक के (वॉलेट) अकाउंट में अधिक्तम 2 लाख रुपए तक जमा किए जा सकते हैं। इस तरह के बैंक किसी भी तरह का लोन नहीं दे सकते, क्रेडिट कार्ड जारी नहीं कर सकते, प्रवासी भारतीय इनमें खाता नहीं खोल सकते और आपका पैसा निवेश नहीं कर सकते। इन्हें अपना अधिकांश पैसा सरकारी बॉन्ड्स में सुरक्षित रखना होता है। 2. मैं पेटीएम एप का इस्तेमाल करता हूं, क्या मेरा यूपीआई अब बंद हो जाएगा? जवाबः अगर आपका पेटीएम एप एसबीआई, एचडीएफसी या आईसीआई जैसे अन्य बैंक के अकाउंट से लिंक है, तो यूपीआई पहले की तरह ही चलता रहेगा। पेटीएम अब गूगल पे और फोनपे की तरह एक 'थर्ड पार्टी एप' के रूप में काम कर रहा है। इसके लिए कंपनी ने एक्सिस, एचडीएफसी और एसबीआई जैसे बैंकों के साथ पार्टनरशिप की है। यानी यूपीआई ट्रांजेक्शन जारी रहेंगे, लेकिन अब उनका बैंक पार्टनर पेटीएम बैंक नहीं होगा। 3. अगर यूपीआई सीधे 'पेटीएम पेमेंट्स बैंक' से लिंक है तो क्या होगा? जवाबः आरबीआई ने ज्ञ्ब्स् वाले हैंडल (जो पेटीएम पेमेंट्स बैंक से जुड़े हैं) से नए पैसे जमा करना या ट्रांजेक्शन करना 2024 में ही बंद कर दिया था। लाइसेंस रद्द होने के बाद पेटीएम की इसे फिर से चालू करने की उम्मीद भी खत्म हो गई है। अगर किसी यूजर का पेटीएम वॉलेट में पैसा अब भी है तो वह अपने बैंक अकाउंट में ट्रांसफर कर सकता है। क्या करें- आपको पेटीएम एप में जाकर अपने किसी दूसरे बैंक अकाउंट को प्राइमरी अकाउंट के तौर पर लिंक करना होगा। इसके बाद आप फिर से यूपीआई पेमेंट कर सकेंगे। 4. पेटीएम और डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम पर क्या असर होगा? जवाबः आरबीआई के फैसले से पेटीएम अब खुद बैंकिंग नहीं कर पाएगा, उसे दूसरे बैंकों पर निर्भर रहना होगा। इससे ळश्च्प् मार्केट में फोनपे और गूगल पे का दबदबा बढ़ सकता है। अन्य फिनटेक कंपनियों के लिए यह कड़ा संदेश है कि नियमों की अनदेखी भारी पड़ेगी और अब रेगुलेटरी सख्ती बढ़ेगी। पेटीएम का शेयर 0.5फीसदी गिरा शुक्रवार को शेयर बाजार में पेटीएम की मूल कंपनी 'वन 97 कम्युनिकेशंस' के शेयरों में गिरावट देखी गई। पेटीएम के शेयर 0.5फीसदी गिरकर 1,153 रुपए प्रति शेयर पर बंद हुए। बैंकिंग लाइसेंस रद्द होने की खबर का असर आने वाले दिनों में स्टॉक पर और अधिक देखने को मिल सकता है। 2022 से ही आरबीआई के रडार पर था पेटीएम बैंक-पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर रिजर्व बैंक की सख्ती काफी पुरानी है। इसकी शुरुआत मार्च 2022 में हुई थी, जब आरबीआई ने बैंक को नए ग्राहक जोड़ने से रोक दिया था। इसके बाद जनवरी 2024 में नियमों के उल्लंघन और कस्टमर ड्यू डिलिजेंस में खामियों के चलते बैंक को नए डिपॉजिट लेने से भी रोक दिया गया था। तभी से बैंक केवल पुराने डिपॉजिट निकालने और लोन रेफरल जैसी सीमित गतिविधियों तक ही सिमट गया था। 2015 में मिला था लाइसेंस, बड़े निवेशकों का था साथ-पेटीएम पेमेंट्स बैंक को अगस्त 2015 में सीमित बैंकिंग लाइसेंस मिला था। इसके तहत बैंक छोटी जमा राशि स्वीकार कर सकता था, लेकिन उसे सीधे लोन देने की अनुमति नहीं थी। इस बैंक को वन 97 कम्युनिकेशंस का समर्थन प्राप्त था, जिसमें चीन के 'आंट ग्रुप' और जापान के 'सॉफ्टबैंक' जैसे दिग्गज निवेशक शामिल रहे हैं।

दिल्ली-टेकऑफ के दौरान स्विस फ्लाइट का इंजन फेल,आग लगने से 6 घायल, 4 नवजात समेत 232 लोग सवार थे

नयी दिल्ली। दिल्ली एयरपोर्ट में टेकऑफ के दौरान स्विस विमान

का इंजन फेल हो गया। स्विस एयरलाइंस की एलएक्स -47 फ्लाइट शनिवार रात 1:08 बजे टेकऑफ करने वाली थी। तभी उसका एक इंजन फेल हो गया और उसमें आग लग गई। इसके बाद पायलट ने तुरंत विमान रोक दिया। अधिकारियों ने बताया कि सभी यात्रियों को रनवे पर इमरजेंसी स्लाइड का इस्तेमाल करके सुरक्षित बाहर निकाला गया। 6 यात्री घायल हो गए। फ्लाइट स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख जाने वाली थी। स्विस एयरलाइन ने एक बयान में कहा, हमें दिल्ली में फ्लाइट एलएक्स-147 से जुड़ी एक घटना के बारे में जानकारी मिली है। जिस विमान में खराबी आई, वह एयरबस ए-330 है। घटना भारतीय समय के अनुसार रात 1 बजे के बाद की है। जैसे ही विमान टेकऑफ करने के लिए रनवे में आया। विमान के बाईं ओर लैंडिंग गियर से धुआं निकलता देखा गया। इसके बाद तुरंत फ्लाइट को रोक दिया गया। एयरलाइन ने कहा, हमारी स्थानीय टीमें मौके पर मौजूद हैं और यात्रियों की देखभाल कर रही हैं। हम स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर इस मामले पर काम कर रहे हैं। इस घटना के पीछे के कारणों को पूरी तरह से समझने के लिए हमारी टीम जल्द ही दिल्ली जाएगी।

बढ़ते तापमान के दृष्टिगत वीबीजी राम जी (मनरेगा) श्रमिकों की कार्य अवधि में परिवर्तन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मुख्य विकास अधिकारी अंजूलता ने बताया है कि शासन के निर्देशानुसार प्रदेश में लू-प्रकोप (हीट वेव) से बचाव एवं राहत के लिए हीट-वेव (लू) प्रबंधन के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में जारी एडवाइजरी तापमान में बढ़ोत्तरी के दृष्टिगत ग्राम्य विकास द्वारा वी0बी0जी0राम0जी0 (मनरेगा) श्रमिकों की कार्य अवधि में परिवर्तन। कार्यस्थल पर पानी एवं छाया की समुचित व्यवस्था के सम्बन्धित निर्देश दिये गये है। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया है कि उक्त के परिपेक्ष्य में मनरेगा योजनान्तर्गत कार्य करने वाले श्रमिकों के कार्य समय में यथोचित संशोधन अर्थात दिन के समय तापमान में वृद्धि होने की स्थिति में मनरेगा श्रमिकों के कार्य-समय को प्रातः 06:00-11:00 बजे तक एवं सायं 03:00-06:00 बजे तक संशोधित किया जा सकता है। यह समय सीमा मात्र सूचक (ग्ह्ग्र्ीूग्दह) है। समय का निर्धारिण जनपद स्थानीय तापमान के अनुसार कर सकते है। इसके अतिरिक्त कार्य स्थल पर पेय जल एवं छाया आदि व्यवस्थाएं भी नियमानुसार सुनिश्चित की जानी चाहिए। मुख्य विकास अधिकारी ने समस्त कार्यक्रम अधिकारी/खंड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए है कि शासन द्वारा निर्गत पत्र में दिये गये दिशा-निर्देशो का अक्षरशः अनुपालन कराते हुए श्रमिकों के कार्य अवधि में परिवर्तन तथा कार्य स्थल पर पानी एवं छाया इत्यादि की समुचित व्यवस्था नियमानुसार कराना सुनिश्चित करें।

जिला कारागार में बंदियों के लिए निःशुल्क नेत्र व स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित,कारागार प्रशासन के सहयोग से बंदियों तक पहुंचेगी स्वास्थ्य सेवा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली, 25 अप्रैल। समाज के

उपेक्षित वर्गों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने की दिशा में एक सराहनीय पहल के तहत मातृभूमि सेवा मिशन, रायबरेली इकाई द्वारा जिला कारागार में निरुद्ध बंदियों के लिए रविवार, 26 अप्रैल को प्रातः 10 बजे से निःशुल्क नेत्र, ईएनटी एवं समग्र स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। चार वर्षों से सतत सेवा कार्यों में सक्रिय संस्था का यह अभियान कारागार में रह रहे उन बंदियों के लिए राहत लेकर आएगा, जो विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं, विशेषकर दृष्टि संबंधी दिक्कतों से जूझ रहे हैं। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा बंदियों की नेत्र जांच के साथ आवश्यकतानुसार चश्मा वितरण एवं औषधि उपलब्ध कराई जाएगी, वहीं ईएनटी विशेषज्ञों द्वारा नाक, कान और गला संबंधी रोगों की जांच कर परामर्श दिया जाएगा। इकाई के सहसंयोजक रामानुज मिश्रा ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन जिला कारागार प्रशासन के सहयोग से किया जा रहा है। जेल अधीक्षक प्रभात सिंह एवं जेलर हिमांशु रौतेला के निर्देशन में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शिविर में वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. ए.के. द्विवेदी एवं डॉ. नीरज सैनी अपनी सेवाएं देंगे। श्री मिश्र ने बताया कि मातृभूमि सेवा मिशन के संस्थापक डॉ. श्रीप्रकाश जी की प्रेरणा से आयोजित इस कार्यक्रम का संचालन रायबरेली इकाई के संयोजक प्रदीप पांडेय के नेतृत्व में किया जाएगा। आयोजन का उद्देश्य केवल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि बंदियों के जीवन में आशा, आत्मबल और मानवीय संवेदना का संचार करना भी है। मातृभूमि सेवा मिशन की यह अनूठी पहल समाज में सेवा, करुणा और उत्तरदायित्व की भावना को सशक्त करते हुए प्रेरित करेगी कि स्वास्थ्य और सम्मान हर व्यक्ति का अधिकार है, चाहे वह किसी भी परिस्थिति में क्यों न हो।

होमगाड्र्स इनरोलमेंट-2025 की लिखित परीक्षा सकुशल सम्पन्न

आयोजित परीक्षा में 7008 अभ्यर्थियों में 5121 उपस्थित एवं 1887 अनुपस्थित रहें

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अपर

जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ एवं अपर पुलिस अधीक्षक आलोक सिंह ने जनपद में 25, 26 एवं 27 अप्रैल 2026 को आयोजित की जा रही होमगाड्र्स इनरोलमेंट-2025 की लिखित परीक्षा को पारदर्शी एवं सकुशल संपन्न कराने हेतु विभिन्न परीक्षा केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा तथा सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। अपर जिलाधिकारी ने बताया कि आज की आयोजित परीक्षा में प्रथम पाली में कुल 3504 अभ्यर्थियों में से 2549 अभ्यर्थी उपस्थित व 955 अभ्यर्थी अनुपस्थित एवं द्वितीय पाली में कुल 3504 अभ्यर्थियों में से 2572 अभ्यर्थी उपस्थित व 932 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहें, इस प्रकार दोनो पालियों में कुल 7008 अभ्यर्थियों में से 5121 अभ्यर्थी उपस्थित व 1887 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहें। अपर जिलाधिकारी ने बताया कि परीक्षार्थियों के लिए सभी प्रकार की व्यवस्थाए की गई है, परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने हेतु सभी केन्द्रों पर अधिकारियों द्वारा भ्रमणशील रहकर लगातार निगरानी की गई।

दूसरे दिन रात में लू चली,प्रयागराज-अकोला में पारा 45°C, कई शहरों में सड़कों पर पानी छिड़काव,ओडिशा में स्कूल बंद

प्रयागराज। देश के कई हिस्सों में लू का असर तेज होता जा रहा

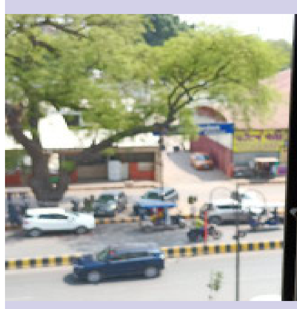

है। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में सबसे ज्यादा तापमान 45.245से. दर्ज किया गया। वहीं महाराष्ट्र के अकोला में पारा 45से. , अमरावती में 44.845से. रहा। उत्तर-पश्चिम, उत्तर, मध्य और पश्चिम भारत के 5 राज्यों के 14 शहरों में पारा 4445से. के पार जा चुका है। इनमें वाराणसी, बांदा, रोहतक, झारसुगुड़ा, टिटलागढ़, अकोला, अमरावती, वर्धा, चंद्रपुर, यवतमाल, बाड़मेर, हमीरपुर, आगरा और राजनांदगांव शामिल हैं। उत्तर प्रदेश के 60 जिलों में लू का रेड अलर्ट है। ओडिशा के झारसुगुड़ा में लगातार दूसरे दिन तापमान 44.845से. रहा। मध्य प्रदेश के 11 जिलों में लू का अलर्ट है। पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश के तीन जिलों में हीटवेव चल रही है। यहां ऊना का तापमान 41.145से. पहुंच गया है।तेज गर्मी के कारण राज्य सरकारों के फैसले-उत्तर प्रदेश के आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद और मैनपुरी में दोपहर 12 से 4 बजे मजदूरों के काम पर रोक लगा दी गई है। ओडिशा में 18 शहरों में पारा 4045से. पार कर गया है। सरकार सोमवार से राज्य के सभी स्कूल बंद करने की घोषणा की है। केरल में सीएम ने लोगों से दिन में 11 से 3 बजे के बीच बाहर न निकलने की सलाह दी है। उन्होंने सेल्फ लॉकडाउन को अपनाने के लिए कहा है। कर्नाटक सरकार ने सभी अस्पतालों में हीट स्ट्रोक यूनिट बनाने का आदेश दिया है। ये सभी यूनिट 31 जुलाई तक चालू रखी जाएंगी। मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम जिले में स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है।अगले 2 दिन के मौसम का हाल-26 अप्रैल-छत्तीसगढ़, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, मध्य प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के कुछ इलाकों में हीटवेव चलने की संभावना है। आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, गुजरात, ओडिशा और तमिलनाडु में गर्म और उमस भरा मौसम रह सकता है। 27 अप्रैलः-बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, मध्य प्रदेश, पंजाब, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में हीटवेव चलेगी। हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, ओडिशा और उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में गर्म रातें रहने की भी आशंका है। आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, गुजरात, गोवा, ओडिशा और तमिलनाडु में बहुत ज्यादा गर्म और उमस भरा मौसम हो सकता है।

गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन यूपी ने संबद्धता प्रमाण पत्र निर्गत किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन यूपी की लोक निर्माण विभाग, लखनऊ के सभागार में केन्द्रीय समिति की बैठक आहूत की गयी। उक्त बैठक में रायबरेली ईकाई के अध्यक्ष अनूप मिश्रा, सहायक संयोजक राजेश कुमार पांडेय तथा शिवकुमार, अध्यक्ष ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ आदि

उपस्थित रहे। बैठक में पेंशनर्स के कल्याण हेतु और समस्याओं के निराकरण हेतु मंथन किया गया। केन्द्रीय समिति द्वारा सातवें वेतन आयोग द्वारा पेंशनर्स को मंहगाई राहत की जा रही विषमता को जोर जोर से उठाया गया। अन्त में अध्यक्ष डॉ सच्चिदानंद पाठक, सेवानिवृत्त आईएएस और महामंत्री अख्तर अली फारुकी ने वर्ष 2025-26 व 2026-27 की संबद्धता नवीनीकरण प्रमाण पत्र सौंपा।

17 वाहनों पर अवैध ओवरलोडिंग के विरुद्ध हुई कार्यवाही

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका के निर्देशानुसार अन्य जनपदों से आने वाले डम्फरों की खनन टास्क फोर्स की टीम जिसमें खनन अधिकारी सुरेश लाकरा द्वारा 24 अप्रैल 2026 को बछरावां से लालगंज मार्ग व सलोन-रायबरेली पर अवैध खनन/परिवहन/ओवरलोड वाहनों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए 07 वाहनों का ऑनलाइन चालान करते हुए रु0 2,66,290 का जुर्माना जमा कराया गया है और आज निदेशालय, लखनऊ की टीम व जनपदीय टीम द्वारा बछरावां-लालगंज मार्ग पर 10 उप खनिजों से लदे वाहन अवैध परिवहन/ओवरलोड करते पाये जाने पर रु0 5,23,840 धनराशि आरोपित किया गया।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICI

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-
Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of India)

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

मीडिया क्लब का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। संगम नगरी

प्रयागराज में भव्य और दिव्यता के साथ मीडिया क्लब का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ कटरा जगराम चौराहा स्थित प्रयाग गार्डन में मीडिया क्लब का शपथ ग्रहण समारोह 2026 का आयोजन हुआ मीडिया क्लब के शपथ ग्रहण समारोह में इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं मीडिया क्लब के संयोजक राकेश पांडे बबुआ व सनातनी किन्नर अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर कौशल्या नंद गिरी सर्राफा व्यापार मंडल के अध्यक्ष दिनेश सिंह अधिवक्ता आरिफ इकबाल डॉक्टर फिरोज ,डॉक्टर अल्ताफ अहमद शामिल हुए कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान से हुई जिसके बाद दीप प्रज्वलन का कार्यक्रम गणेश मंत्र के साथ हुआ वहीं मीडिया क्लब के संयोजक राकेश पांडे ने अध्यक्ष अनुपम शुक्ला और सचिव अजीत सिंह ,सह सचिव संतोष शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष इमरान यूसुफ ,उपाध्यक्ष कुलदीप सिंह, कोषाध्यक्ष अनवर खान, कानूनी सलाहकार अधिवक्ता आरिफ इक़बाल,टीके पांडेय प्रकाशन मंत्री,सह प्रकाशन मंत्री शकील खान,कार्यालय प्रभारी जी,एन वैस,सह कार्यालय प्रभारी विलास गुप्ता को शपथ दिलाई इसके बाद कार्यकारणी सदस्यो को सामूहिक शपथ दिलाई गई शपथ लेने वालों में प्रशांत शर्मा,सैयद मोहम्मद नसीम,सलमान अहमद,आलोक, सैयद मोहम्मद आमिर ,डॉ अल्ताफ,डॉ फ़िरोज़,अनुराग दुबे,आकाश गुप्ता,अजय कुशवाहा,श्यामू कुशवाहा,रहीम अहमद शामिल थे वही अध्यक्ष से लेकर कार्यकारिणी सदस्यों ने क्लब को आगे बढ़ाने और मजबूत करने के साथ ही निष्पक्ष पत्रकारिता करने के संग देश की प्रभुता और अखंडता को बनाए रखने की भी शपथ ली मीडिया क्लब के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य सलाहकार के पद पर पत्रकार विशाल तलवार को नियुक्त किया गया तो कार्यक्रम में शामिल हुए अतिथि और समाजसेवियों को अंग वस्त्र माला पहनकर सम्मानित भी किया गया वही सभी ने कार्यक्रम के बाद मिलकर सह भोज किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों में वरिष्ठ पत्रकार शरद शरद मालवीय डॉक्टर एसके दुबे,पत्रकार विनोद पांडे, पत्रकार धीरज कुमार पत्रकार अरविंद सिंह,अधिवक्ता नवीन सिंह अधिवक्ता मानस केसरी सबीना, अमित साहब, सबीना खातून असद कुरेशी मोहम्मद इसरार राजेश केसरवानी, अरुण सोनकर,रशीद अहमद, टुन्नू, अभिषेक श्रीवास्तव शिशिर गुप्ता अभिषेक गुप्ता, विकास अग्रवाल, मोहम्मद आरफीन, सुधाकर, कपिल सिंह आदित्य विक्रम सिंह समेत कई पत्रकार और समाज से भी कार्यक्रम में शामिल रहे।

वेदांत इंस्टीट्यूट, प्रयागराज के विद्यार्थियों ने इस वर्ष अच्छे अंकों से बेहतर प्रदर्शन किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। अत्यंत हर्ष का विषय है कि दिनांक 23 अप्रैल 2026 को उत्तर प्रदेश बोर्ड द्वारा घोषित रिजल्ट में वेदांत इंस्टीट्यूट, प्रयागराज के छात्रों द्वारा इस वर्ष अच्छे अंकों से बेहतर प्रदर्शन कर कई कोचिंग संस्थानों को पीछे छोड़ दिया है। बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र एवं छात्राओं का विवरण इस प्रकार हैः- खुशी देवी (93.5फीसदी, अनुक्रमांक - 1261613220) उत्तम मिश्रा (89फीसदी, अनुक्रमांक - 1261513514) प्रतिभा मिश्रा (91फीसदी, अनुक्रमांक - 1261513395) प्रतीक सिंह (90फीसदी, अनुक्रमांक - 1261513394) इसके अतिरिक्त कृष्णा पाण्डेय 84फीसदी, प्राची 80फीसदी, निष्ठा 80फीसदी है। वेदांत इंस्टीट्यूट के संस्थापक एवं निदेशक अनुज द्विवेदी ने सभी उत्तीर्ण बच्चों को शुभकामनाएँ प्रदान की और उज्जवल भविष्य की कामना की और कहा कि अगले वर्ष इससे भी बेहतर परिणाम का लक्ष्य रखा गया है।

भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा का हुआ श्रीगणेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नोएडा। सेक्टर 82 ईडब्लूएस पाकेट सात में श्रीमद भागवत कथा के शुभारंभ पर सुबह 10 बजे से भव्य कलश यात्रा पाकेट सात के सेन्ट्रल पार्क से निकाली गई। बैंड बाजों एवं ढोल नगाड़ों के साथ झूमते गाते भक्तजन कलश यात्रा में शामिल हुए। महिलाओं ने अपने सिर पर कलश रखकर पूरे सेक्टर में कलश यात्रा निकाली। इस दौरान सेक्टर की सभी महिलाओं,बच्चों एवं पुरुषों ने कलश यात्रा में भाग लिया। सेक्टर 82, 93 होते हुए कलश यात्रा का समापन सेन्ट्रल पार्क में हुआ। महंत स्वामी रूपानंद ब्रह्मचारी जी के सानिध्य में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में कथा व्यास नीलांशु दास जी महाराज ने कथा का शुभारंभ करते हुए सुनाया कि पावन नैमिषारण्य तीर्थ में सूत जी महाराज कथा सुना रहे हैं और सौनकादिक ऋषि श्रोता के

रूप में कथा का श्रवण कर रहे हैं। सूत जी ने भागवत का महात्म्य बताते हुए कृष्ण भक्ति को श्रेष्ठ बताया। भक्ति, ग्यान, वैराग्य की विशद व्याख्या के अलावा गोकरण धुन्धकारी की कथा एवं शुकदेव जन्म की कथा भी सुनाई। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने बताया कि कथा प्रतिदिन सायं 6 बजे से रात्रि 9 बजे तक होगी। श्रीधाम वृंदावन धाम से पधारे कथा व्यास नीलांशु दास जी महाराज के श्रीमुख से अमृतमयी कथा का रसपान श्रद्धालु भक्त कर सकेंगे। इस मौके पर संयोजक संजीव ढाली, देवमणि शुक्ल, सुशील पाल, रमेश शर्मा, गोरे लाल, रवि राघव, संजय पांडेय, सर्वेश तिवारी, विष्णु शर्मा, नीरज शर्मा, टोनी कपूर, रमेश वर्मा, निर्मल बिस्वास, गोपाल पाल, असीम मजूमदार, संतोष बिस्वास, मखन बसु, हंस मणि शुक्ल,बाबू सरकार, कनाई लाल, असित बाघ, गोविंद बिस्वास, संजय हालदार, अवनीश तिवारी,तुषार, प्रेम जी, टोनी ढाली , सुखदेव, शुभमय, विश्वजीत सरकार, संगम प्रसाद मिश्र,अनिमेष मंडल, सहित सैकड़ों सेक्टर वासी मौजूद रहे।

आईएमएस नोएडा के छात्रों ने किया कोका-कोला प्लांट का औद्योगिक भ्रमण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 62 स्थित

आईएमएस नोएडा के एमबीए के छात्रों के लिए औद्योगिक भ्रमण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान संस्थान के छात्रों ने कोका-कोला के कार्यप्रणाली, मार्केटिंग रणनीतियों एवं उत्पादन प्रक्रियाओं को जाना एवं समझा। इस औद्योगिक भ्रमण के दौरान छात्रों को उद्योग जगत के वास्तविक वातावरण से रूबरू कराया गया, जिससे उन्हें शैक्षणिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त हुआ। छात्रों ने उत्पादन इकाई की विभिन्न प्रक्रियाओं, गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली तथा ब्रांड प्रबंधन के महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी हासिल की। आईएमएस नोएडा के वाइस प्रेसिडेंट चिराग गुप्ता ने कहा कि संस्थान छात्रों के समग्र विकास के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। छात्रों के किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना हमारी जिम्मेदारी है। हमारी कोशिश है कि संस्थान के प्रत्येक छात्र अपनी समझ, निर्णायक क्षमता और नेतृत्व कौशल का विकास करे। उन्होंने कहा कि आईएमएस नोएडा का उद्देश्य छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ व्यावसायिक दृष्टि से उपयोगी प्रशिक्षण देना है, ताकि वे भविष्य में सफल प्रबंधक, सक्षम नेतृत्वकर्ता और जिम्मेदार पेशेवर बन सकें। आईएमएस नोएडा की डीन सीआरसी डॉ. वर्तिका चतुर्वेदी ने बताया कि एमबीए छात्रों के लिए आयोजित शैक्षणिक एवं औद्योगिक भ्रमण अत्यंत उपयोगी रहा। इस दौरान छात्रों ने आधुनिक मार्केटिंग रणनीतियों, उपभोक्ता व्यवहार, ब्रांड प्रबंधन तथा कारपोरेट कार्य संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को नजदीक से समझा। वहीं कार्यक्रम के दौरान कोका-कोला के प्रतिनिधी सौरभ सिंह ने छात्रों को कक्षा में प्राप्त सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक रूप से देखने और सीखने का तरीका बताया। उन्होंने कहा कि हमे आशा है की इस औद्योगिक भ्रमण से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, संचार कौशल और नेतृत्व क्षमता में भी वृद्धि होगी। इस औद्योगिक भ्रमण में प्रो. लवीना एवं प्रो. आराधना ने छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए उनके साथ सहभागिता की। दोनों प्राध्यापकों ने छात्रों को उद्योग जगत के व्यावहारिक अनुभव से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ऑल इंडिया प्राइवेट चिकित्सक फाउंडेशन नें किया सतपाल दौसा लोक सांस्कृतिक सेवा सम्मान का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा! अखिल भारतीय प्राइवेट

चिकित्सक फाउंडेशन द्वारा नोएडा में लोक कला सांस्कृतिक, सामाजिक, चिकित्सा सेवा एवं खेलों में उत्कृष्ट योगदान हेतु सम्मान समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम में सतपाल दौसा के छोटे भाई जगत दौसा, पौत्र शुभम दौसा, युवराज दौसा उपस्थिति रहे। बता दे की सतपाल दौसा एक किसान परिवार में जन्मे और परिवार को ऊंचाइयों तक ले जाने का कार्य किया। उनकी वाणी में सरस्वती का वास था और अपने गीतों के माध्यम से उन्होंने समाज को एक नई दिशा दी। कार्यक्रम में आए शुभम और युवराज ने रागिनी के माध्यम से शमा बांधा। मंच संचालन अंकित भड़ाना ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महर्षि पतंजलि अंतर्राष्ट्रीय योग विद्यापीठ के संस्थापक स्वामी कर्मवीर ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मनुष्य की कथनी और करनी में अंतर नहीं होना चाहिए। वशिष्ठ अतिथि स्वामी सत्यदेव जी महराज, दीपक योगायुर्वेदज्ञ, नीरज पाल गुर्जर, नैना गुर्जर, रूपचंद नागर (पर्यावरण पुरुष), चौ. भाग सिंह (मैनेजर चड्ढा ग्रुप), विनोद तोमर, डा.यतेंद्र कटारिया, डा.सत्यपाल सिंह (इंडिया कोच), अमित त्यागी, संदीप त्यागी, लाल यादव, मनोज भटनागर, विनोद तेवतिया, विनोद कुमार, राजपाल, बाबूगढ़ अध्यक्ष जगबीर गुर्जर, संतराम राठी, कैप्टन कुलदीप, ठाकुर किरण पाल आदि नें लोगों को संबोधित किया। कार्यक्रम के संयोजक हरेंद्र सिंह चैंपियन (संरक्षक ऑल इंडिया पीसीएफ) ने कार्यक्रम में आए सभी अतिथियों का माला पहनाकर और शील्ड देकर के सम्मान किया। फाउंडेशन अध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय ने कार्यक्रम में आए सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए आग्रह किया कि यदि आप फाउंडेशन को स्नेह व मार्गदर्शन देते रहे, तो हम आगे भी अच्छे-अच्छे कार्यक्रम फाउंडेशन द्वारा करते रहेंगे। कार्यक्रम मे डा.जितेंद्र गौड़, डा. प्रवीण कुमार, डा.नरेश सैनी, हरिओम चौधरी, चेतन चौधरी, लोक गायक तेजवीर विधूड़ी, यू पी पुलिस कबड्डी कप्तान सोनिका नागर, राष्ट्रीय प्रशिक्षिक विनय योगी अपनी टीम के साथ, एवं गणमान्य चिकित्सक उपस्थित रहे।

होमगार्ड परीक्षा का दूसरा दिन-लेक्चरर सहित 3 अरेस्ट,एआई से नकल कराने का आरोप

लखनऊ। यूपी में 42 हजार होमगार्ड पदों पर भर्ती के लिए

आयोजित परीक्षा का आज रविवार को दूसरा दिन है। दूसरे दिन भी परीक्षा केंद्रों पर सख्ती देखने को मिली। अभ्यर्थियों को रेटिना स्कैनिंग और बायोमेट्रिक के बाद ही एंट्री दी गई। वहीं, लखनऊ में परीक्षा केंद्र जा रहे एक अभ्यर्थी की सड़क हादसे में मौत हो गई। पहले दिन 25फीसदी अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। भर्ती बोर्ड के अनुसार दोनों पालियों की लिखित परीक्षा में कुल 8,44,066 अभ्यर्थियों के स्थान पर 6,35,856 (75.33फीसदी) अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। 74 जिलों में 1053 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। श्रावस्ती में कोई केंद्र नहीं बनाया गया है। पुलिस ने पहले दिन परीक्षा में एआई से नकल कराने के आरोप में केमिस्ट्री के लेक्चरर सहित 3 लोगों को अरेस्ट किया है। पुलिस के अनुसार, सभी नकल कराने की तैयारी कर रहे थे। एक बंद क्लासरूम से मोबाइल और प्रिंटर्स जब्त किए गए हैं। तीनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। शनिवार से शुरू हुई परीक्षा 27 अप्रैल तक चलेगी। 25 लाख अभ्यर्थियों को परीक्षा देनी है। परीक्षा को देखते हुए पूरे प्रदेश में पुलिस अलर्ट मोड पर है। 2 घंटे की परीक्षा में 100 अंकों के बहुविकल्पीय सवाल पूछे जा रहे हैं।होमगार्ड परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों को एंट्री से पहले कई जगहों पर कलावा कटवाया गया और धार्मिक-सांस्कृतिक चिह्नों को उतरवाया गया। हालांकि, दरोगा भर्ती परीक्षा के दौरान उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने कहा था- किसी भी अभ्यर्थी के धारण किए गए धार्मिक सांस्कृतिक चिह्नों जैसे कलावा, मंगलसूत्र को न उतारा जाए। अगर ऐसा कोई मामला आता है तो दोषी कर्मियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, होमगार्ड परीक्षा में अलग से ऐसा कोई आदेश नहीं जारी किया गया है। यूपी होमगार्ड भर्ती की लिखित परीक्षा के दूसरे दिन पहली पाली का पेपर समाप्त हो गया। गोरखपुर के सेंट एंड्रयूज

कॉलेज से परीक्षा देकर बाहर निकले अभ्यर्थियों ने पेपर को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। अभ्यर्थियों का कहना है कि इस बार पेपर का स्तर काफी कठिन रहा। वहीं कुछ उम्मीदवारों ने कहा कि जो अच्छी तैयारी करके आए थे, उनका पेपर ठीक हुआ है। कानपुर में एआई से एग्जाम में नकल कराने में पुलिस ने केमेस्टी के लेक्चरर समेत 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। बीएनएसडी इंटर कालेज के प्रवक्ता और शिक्षक नेता अखिलेश ने दो ट्यूशन टीचरों को बगैर ड्यूटी कॉलेज में कक्ष निरीक्षक बनाया। सभी नकल कराने की तैयारी कर रहे थे। पेपर को कॉपी करने के लिए प्रिंटर और एआई से सवालों के जवाब के लिए एनसीसी के बंद क्लास में तैयारी की थी। पुलिस ने तीनों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया है लखनऊ के निगोहां थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में होमगार्ड भर्ती परीक्षा देने जा रहे युवक की मौत हो गई, जबकि उसका चचेरा भाई घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। आज ही युवक की बहन की विदाई हो रही थी। वह कल बारात के स्वागत के बाद आज पेपर देने जा रहा था।युवक की पहचान बाराबंकी जिले के फतेहपुर थाना क्षेत्र स्थित गौरा करौंदी गांव के अनुभव सिंह के रूप में हुई। वह अपने चचेरे भाई कुलदीप सिंह के साथ बाइक से रायबरेली परीक्षा देने जा रहे थे।

ललितपुर में बदला मौसम, आंधी के साथ झमाझम बारिश,55 जिलों में चल रही लू,पारा 47.4डिग्री से.

ललितपुर। यूपी भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। सीजन

में पहली बार तापमान 47डिग्री से. के पार पहुंच गया है। पिछले 24 घंटों में बांदा देश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां गर्मी ने पिछले 4 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। यहां दिन का तापमान 47.4डिग्री से. रिकॉर्ड किया गया। इससे पहले 2022 में 30 अप्रैल को यहां पारा 47डिग्री से. के पार गया था। वाराणसी में अप्रैल महीने में चौथी बार दिन का तापमान 45डिग्री से. पहुंचा है। इससे पहले, 30 अप्रैल 2019 में सबसे ज्यादा तापमान 45.3डिग्री से. रिकॉर्ड किया गया था। इस बीच, दोपहर बाद ललितपुर में अचानक मौसम बदल गया। तेज आंधी के साथ झमाझम बारिश हो रही है। बाकी जिलों में तेज धूप है। 55 शहरों में लू चल रही है। गोरखपुर चिड़ियाघर में भालू पानी से बाहर नहीं आ रहा है। मौसम विभाग ने आज 55 जिलों में लू का अलर्ट जारी किया है। दोपहर के वक्त ज्यादातर शहरों में तापमान 42डिग्री से. से 45डिग्री से. के बीच रहने का अनुमान जताया है। लोगों को खासतौर पर दोपहर 12 से 3 बजे के बीच घर से बाहर न निकलने की सलाह दी है। बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने को कहा है। इससे पहले, शनिवार को देश के सबसे गर्म 41 शहरों में से 14 शहर उत्तर प्रदेश के थे। बांदा का तापमान सऊदी अरब और पाकिस्तान के जैकोबाबाद से भी ज्यादा रिकॉर्ड किया गया। सऊदी अरब में 31डिग्री से. और पाकिस्तान के जैकोबाबाद में 44डिग्री से. तापमान दर्ज किया गया। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल सिंह ने बताया-'सोमवार यानी 27 अप्रैल से नया विक्षोभ सक्रिय होगा। पश्चिमी यूपी और तराई वाले इलाकों में बूंदाबांदी हो सकती है। आंधी-तूफान की भी संभावना है। 28 अप्रैल से पूरे यूपी में बारिश का दौर शुरू होगा। 1 मई तक मौसम में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। पारे में 2-3डिग्री से. की गिरावट आ सकती है।' अगले 5 दिन कैसा रहेगा मौसम- 27 अप्रैलः पश्चिमी यूपी में कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ेंगी। पूर्वी यूपी में मौसम शुष्क रहेगा। 28 अप्रैलः पूरे प्रदेश में हल्की बारिश हो सकती है। 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। 29 अप्रैलः पूर्वी और पश्चिमी यूपी में अच्छी बारिश होगी। तेज हवा चलेगी। रात के वक्त तापमान में गिरावट आएगी। 30 अप्रैलः पूरे प्रदेश में बारिश होगी। बिजली गिरने की आशंका है। दिन में 40 किमी की रफ्तार से गर्म हवाएं चलेंगी। 1 मईः पश्चिमी यूपी में हल्की और पूर्वी यूपी में तेज बारिश होगी। बादलों की गड़गड़ाहट के बीच बिजली भी गिर सकती है।

सीबीएसई टॉपर्स से मिलीं शालिनी सिंह, मेधावी छात्रों का बढ़ाया उत्साह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 14 स्थित कार्यालय

पर युवा क्रांति सेना की मुख्य संरक्षक शालिनी सिंह ने सीबीएसई के मेधावी टॉपर्स से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उन्हें हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से उनकी सफलता की यात्रा को विस्तार से जाना और समझा कि किस प्रकार उन्होंने अनुशासन, परिश्रम और समर्पण के बल पर यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। बैठक में शिक्षा तंत्र को और अधिक प्रभावी एवं छात्र-केंद्रित बनाने के विभिन्न पहलुओं पर भी सार्थक चर्चा हुई। शालिनी सिंह ने विद्यार्थियों को आश्वस्त किया कि उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर उन्होंने समीक्षा मिश्रा (99.8फीसदी), श्रिनिका कोठियाल (99.6फीसदी), प्रतीक मिश्रा (99फीसदी), सार्थक बांगड़ (99फीसदी), आद्याशा मिश्रा (98.6फीसदी) एवं अनन्या मेहरोत्रा (98फीसदी) से भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया। शालिनी सिंह ने कहा कि नोएडा और इंदिरापुरम के ये प्रतिभाशाली विद्यार्थी हमारे समाज का भविष्य हैं। इनकी मेहनत, समर्पण और लक्ष्य के प्रति दृढ़ता हर युवा के लिए प्रेरणा है। हमें शिक्षा व्यवस्था को इस प्रकार विकसित करना होगा कि हर छात्र को अपनी क्षमता के अनुरूप आगे बढ़ने का अवसर मिले। इस अवसर पर मोनिका मेहरोत्रा, गौरव मेहरोत्रा, लोकेश चौहान, आकाश शर्मा, दीक्षांत आदि मौजूद थे।

जाट संगठन के महासचिव बने नीरज सिंह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। नोएडा निवासी नीरज सिंह को अंतर्राष्ट्रीय जाट सांसद संगठन का राष्ट्रीय महासचिव (पॉलिसी एंड स्ट्रैटेजी) नियुक्त किया गया है। संगठन ने इसे अपने विस्तार और रणनीतिक मजबूती की दिशा में अहम कदम बताया है। सेक्टर 6 में इनका कार्यालय है। मेरठ में महाराजा सूरजमल की प्रतिमा स्थापना के बाद 'जाट' शब्द हटाए जाने को लेकर संगठन द्वारा एक रैली का आयोजन किया गया।

बारात आने से 25 दिन पहले प्रेमी संग कमरे में बंद मिली लड़की, घरवालों ने जम के धुनाई की

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में शादी से मात्र 25 दिन पहले दुल्हन के घर में बवाल हो गया। दरअसल, रात के समय लड़की के कमरे से आवाज आने पर घरवाले जब वहां पहुंचे तो उनकी आंखें खुली की खुली रह गई। युवती अपने प्रेमी के साथ आपत्तिजनक अवस्था में बेड पर लेटी थी। यह देखते ही घरवालों का पारा चढ़ गया। उन्होंने आव देखा ना ताव। प्रेमी को बेतहाशा पीटना शुरू कर दिया। पहले तो डर के मारे प्रेमिका शांत खड़ी रही, लेकिन बाद में खुलकर प्रेमी के पक्ष में आ गई। उसके विरोध के चलते घरवालों को रुकना पड़ा। युवती ने प्रेमी संग ही शादी की जिद पकड़ ली। इसके बाद गांव में पंचायत बैठी और शनिवार को दोनों की शादी करा दी गई। यह पूरा मामला सुरजनगर रोड के एक गांव का है। पूरे इलाके में दिन भर इसकी खबर की चर्चा होती रही। गांव में रहने वाली युवती का लंबे समय से गांव के ही युवक के साथ अफेयर चल रहा था। घरवाले प्रेमी के साथ उसकी शादी के लिए तैयार नहीं हो रहे थे। युवती की शादी किसी और युवक से तय कर दी गई। 25 दिन बाद बारात आनी थी। पंचायत के बाद प्रेमी युगल का हो गया निकाह-बीते गुरुवार रात युवती ने अपने प्रेमी को मिलने के लिए बुलाया था। रात में दोनों बातचीत कर रहे थे। इस दौरान घरवालों के कान में आवाज पड़ गई। लड़की का दरवाजा अंदर से बंद था। लोगों ने जबरदस्ती खुलवाया तो अंदर का नजारा देखकर हैरान रह गए। प्रेमी को पकड़कर घरवालों ने पीटना शुरू कर दिया। वह दर्द के मारे चिल्?ला उठा। कुछ देर तक तो प्रेमिका डर और शर्म के मारे बुत बनकर खड़ी रही। जब प्रेमी की पिटाई ज्यादा होने लगी तो वह घरवालों से भिड़ गई। उसने कहा कि वह प्रेमी से ही शादी करेगी नहीं तो नहीं करेगी। उसकी जिद के आगे घरवालों को झुकना पड़ा।

आगरा- 2,213 बच्चों को नहीं मिल रहा एडमिशन, स्कूल कर रहे मनमानी, डीएम मनीष बंसल ने दिखाया सख्त रुख

आगरा। यूपी के आगरा में निशुल्क शिक्षा का अधिकार (आरटीई) के तहत गरीब और

कमजोर आय वर्ग के बच्चों को निजी स्कूल प्रवेश नहीं दे रहे हैं। 2213 बच्चे प्रवेश से वंचित हैं। स्कूल संचालक अभिभावकों को औपचारिकता पूरी कराने के लिए टाल मटोल करने में लगे हैं। शुक्रवार को जिला टास्क फोर्स (डीटीएफ) की बैठक में डीएम मनीष बंसल के सामने यह मामला आया तो उन्होंने ऐसे स्कूलों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही इसमें लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई की बात कही है। आरटीई के तहत आगरा के 8112 बच्चों को प्रवेश लिए चयनित किया गया था। इनमें से 5899 बच्चों को निजी स्कूलों में प्रवेश मिल चुका है। मगर 2213 बच्चे प्रवेश के लिए भटक रहे हैं। उनके माता-पिता स्कूलों के चक्कर काट-काटकर परेशान हो चुके हैं। डीएम ने जब इस लापरवाही का कारण पूछा तो अधीनस्थों ने बताया कि 18 निजी स्कूल हैं जो कि अड़चन पैदा कर रहे हैं। हालांकि इन स्कूलों को नोटिस जारी कर दिए हैं, लेकिन इसके बावजूद भी बच्चों को प्रवेश नहीं हुआ है। इस पर डीएम ने फटकार लगाते हुए इन स्कूलों पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। बीईओ जाकर कराएं प्रवेशः डीएम-डीएम मनीष बंसल ने कहा कि खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) ऐसे स्कूलों में खुद जाकर देखें किन कारणों से बच्चों को प्रवेश नहीं मिल रहे हैं। जो औपचारिकताएं पूरी करा चुके हैं, उनके बच?चों को तत्काल प्रभाव से प्रवेश कराया जाए। प्रवेश नहीं देने के कारण जानकार उन्हें इसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करें। आरटीई में शत प्रतिशत प्रवेश कराया जाना चाहिए। जो प्रवेश में बाधा डाल रहे हैं, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें। बीईओ रोजाना चखेंगे मिडडे मील-नवागत डीएम मनीष बंसल ने स्कूल चलो अभियान को जनआंदोलन बनाने की बात कही है। स्कूलों में पंजीकरण की संख्या बढ़ाने के साथ-साथ ये भी देखा जाए कि बच्चें प्रतिदिन स्कूल पहुंचे। इसके अलावा बच्चों को मिलने वाला मिड डे मील को बीईओ बच्चों के साथ बैठकर मिड डे मील खाएं। ऐसा करते हुए प्रतिदिन फोटो शेयर करें।

लखीमपुर में महिला को घर से खींच ले गया तेंदुआ

लखीमपुर खीरी में तेंदुए ने महिला को मार डाला। शनिवार देर रात महिला घर के बाहर चारपाई

पर सो रही थी, तभी तेंदुए ने हमला कर दिया। महिला की गर्दन को अपने जबड़े में दबोचकर भागने लगा। महिला की चीख सुनकर पति और ग्रामीणों ने लाठी-डंडे लेकर पीछा किया, लेकिन तेंदुआ महिला को लेकर भाग निकला। आधे घंटे बाद महिला का शव घर से 50 मीटर दूर खेत में मिला। तेंदुआ महिला की गर्दन बुरी तरह खा चुका था। घटना के बाद गुस्साए परिजन शव रखकर धरने पर बैठ गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने कोशिश की तो परिजनों ने हंगामा कर दिया। कहा- जब तक तेंदुए को पकड़ा नहीं जाएगा, तब तक पोस्टमॉर्टम नहीं होने देंगे। हालांकि, बाद में अफसरों ने परिजनों को समझाकर शांत कराया। पूरा मामला सिंगाही थाना क्षेत्र का है।

व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ की बैठक पुलिस लाइन स्थित सभागार में हुई आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शुक्रवार को व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ की बैङ्गक पुलिस लाइन स्थित सभागार में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें व्यापारियों की समस्याओं के संदर्भ में व्यापक चर्चा की गई। कई समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया गया।बैङ्गक में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगङ्गन के जिला अध्यक्ष कौशल शर्मा ने कहा कि नगर में ट्रैफिक सिग्नल स्थापित किए जाने की अत्यंत आवश्यकता है हमारे बाजार क्षेत्र में यातायात का अत्यधिक दबाव होने के कारण अक्सर जाम की समस्या उत्पन्न हो जाती है वर्तमान परिवेश में ट्रैफिक सिग्नल की व्यवस्था न होने के कारण वाहन अनियंत्रित रूप से चलते हैं जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है कई बार दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं जिससे आमजन ग्राहक एवं व्यापारी सभी प्रभावित होते हैं इससे व्यापार पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है उन्होंने मांग किया कि जनहित एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए

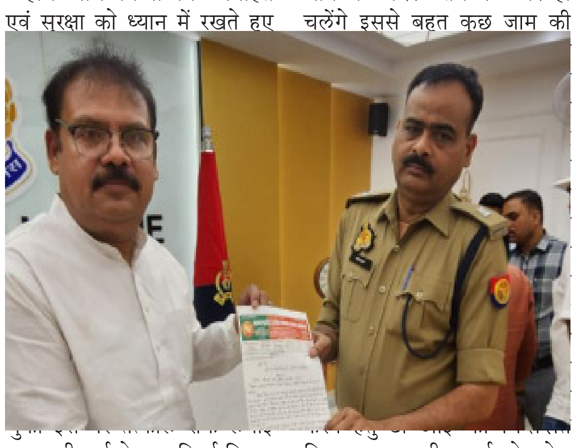

जाए। श्रीशर्मा ने कहा कि ई रिक्शा का अवस्थित तरीके से संचालन भी जाम की बड़ी वजह है शहर के ट्रैफिक व्यवस्था को जोन अथवा सेक्टर वार बांटे जाएं प्रत्येक जोन की अलग-अलग कलर कोडिंग की जाए जिससे ई-रिक्शा तयं जोन के अंदर तय रूट पर ही चलेंगे इससे बहुत कुछ जाम की ... किया गया। श्री शर्मा ने टोल प्लाजा का मुद्दा उङ्गाते हुए कहा कि टोल कर्मियों द्वारा यात्रियों के साथ अमर्यादित व्यवहार किया जाता है कई बार फास्ट ट्रैक में पैसा होने के बावजूद भी टोल पर गाड़ी रोक ली जाती है टोल के मौजूद कर्मचारियों द्वारा यह नहीं बताया जा सका कि आपकी फास्ट ट्रैक में कितना पैसा होने पर लो बैलेंस बतायेगा उनका कहना था कि हर बैंकों की अपनी-अपनी अलग लिमिट है इस संबंध में टोल कर्मियों को स्थिति स्पष्ट करने हेतु आदेशित किया गया। जिला कोषाध्यक्ष शरद जायसवाल ने कहा कि इन दोनों प्रभापुरम कॉलोनी शाम ढलते ही नसेडियों का अड्डा बन जाता है कोई भी महिलाएं लड़कियां उसे क्षेत्र से गुजरती हैं तो गुट बनाकर खड़े युवको द्वारा फबत्तियां कसी जाती है। जिससे कॉलोनी वासियों को अत्यंत सुविधा का सामना करना पड़ता है। बैङ्गक में मुख्य रूप से कौशल शर्मा, प्रशांत जैन, शरद जायसवाल, ध धर्मराज सिंह, राजेश जायसवाल अभिषेक साहू, दिनेश सिंह, दीप सिंह पटेल, विनय जायसवाल, नागेंद्र मोदनवाल, सहित जिले के एआरटीओ, नगर पालिका के कर्मचारी, टोल प्लाजा के कर्मचारी सहित अन्य व्यापारी मौजूद थे।

सोनभद्र जिले के 41 वें जिलाधिकारी के रूप में श्री चर्चित गौड़ ने किया कार्यभार ग्रहण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)सोनभद्र। नवागत

जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने आज जिले के 41वें जिलाधिकारी के रूप में जिला कोषागार के डबल लॉक में विधिवत कार्यभार ग्रहण कर लिया। कार्यभार ग्रहण करने के उपरान्त नवागत जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने कहा कि भूमि विवाद के मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराया जायेगा, विधि एवं शांति व्यवस्था का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा और विकासपरक योजनाओं से पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित किया जायेगा। नवागत जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ वर्ष-2016 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा आई0ए0एस0 कैडर के अधिकारी हैं। वर्तमान में उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी के पद पर थे , इसके पूर्व आगरा में उपाध्यक्ष आगरा विकास प्राधिकरण, फिरोजाबाद में मुख्य विकास अधिकारी पद पर पर तैनात रह चुके हैं।

कार्यभार ग्रहण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, अपर जिलाधिकारी(वि0/रा0) श्री वागीश कुमार शुक्ला, अपर जिलाधिकारी(न्यायिक) श्री रमेश कुमार,अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे श्री रोहित यादव, वरिष्ठ कोषाधिकारी श्री इन्द्रभान सिंह, अपर जिला सूचना अधिकारी श्री विनय कुमार सिंह, प्रशासनिक अधिकारी श्री रामलाल यादव, ओ0एस0डी0जिलाधिाकरी श्री राम आधार सहित वरिष्ठ अधिकारीगण, कोषागार के श्री रामवृक्ष सहित सम्बान्धित अधिकारी व कर्मचारीगण मौजूद रहें।

सोनभद्र में बाल विवाह की कोशिश नाकाम, दो बालिकाओं का संरक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिले में बाल विवाह की दो कोशिशों को चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की तत्परता से रोक दिया गया। थाना रायपुर और थाना दुद्धी क्षेत्र से बाल विवाह की सूचना मिलने पर हेल्पलाइन ने तुरंत कार्रवाई की। परियोजना समन्वयक मुकेश कुमार सिंह के निर्देश पर दोनों थानों से समन्वय कर रेस्क्यू टीमें मौके पर भेजी गईं। जांच में दोनों जगह परिजन बालिकाओं की उम्र साबित करने वाले दस्तावेज नहीं दिखा पाए। इसके बाद टीम ने दोनों बालिकाओं को संरक्षण में लिया और थाने में जीडी दर्ज कराई। बाल कल्याण समिति के आदेश पर फिलहाल बालिकाओं को बाल गृह में रखा गया है।

रेस्क्यू ऑपरेशन में शामिल टीम-थाना रायपुर में सत्यम चौरसिया, अंशु गिरी और सीमा शर्मा जबकि थाना दुद्धी में अमन सोनकर और तनु मौजूद रहीं।

प्री-पेड मीटर की मनमानी से त्रस्त सोनभद्र की जनता; बिना रीडिंग भेजे जा रहे बिजली बिल

पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने विद्युत विभाग पर लगाया धांधली का आरोप, पुरानी पोस्ट-पेड व्यवस्था बहाल करने की मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) राबर्ट्सगंज/सोनभद्र। ब्यूरो चीफ। जिले में विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली लगातार सवालों के

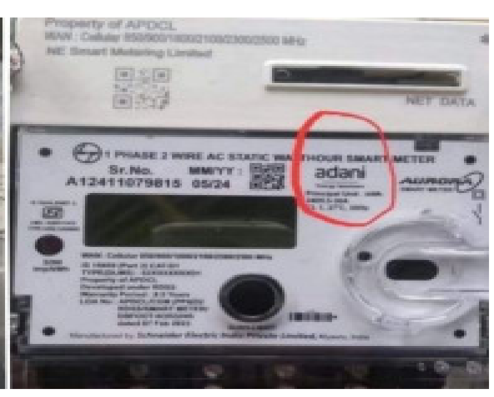

घेरे में है। प्री-पेड मीटर प्रणाली और बिना मीटर रीडिंग के भेजे जा रहे मनमाने बिलों के कारण आम जनता में भारी आक्रोश है। कांग्रेस पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष (अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ) नियामतुल्ला ने विभाग पर जनता के साथ धोखाधड़ी करने का गंभीर आरोप लगाया है। पुरानी व्यवस्था थी पारदर्शी-पत्र के माध्यम से अपनी बात रखते हुए नियामतुल्ला ने कहा कि पहले पोस्ट-पेड मीटर में यूनिट और रीडिंग स्पष्ट दिखती थी, जिससे उपभोक्ता आसानी से बिल जमा कर लेते थे। लेकिन जब से प्री-पेड मीटर लगाए गए हैं, जनता को यह समझ ही नहीं आ रहा कि पैसा कहाँ कट रहा है। गरीब और वृद्ध वर्ग, जो स्मार्टफोन या मोबाइल ऐप्स का उपयोग करने में अक्षम है, उनके लिए अपना बिजली बिल देखना और उसे समझना बड़ी चुनौती बन गया है। छोटी सी चूक पर कट रहा बिजली कनेक्शन-आरोप है कि वर्तमान में विभाग द्वारा थोड़ी सी बकाया राशि होने पर भी बिना किसी पूर्व सूचना के बिजली का कनेक्शन काट दिया जा रहा है। कांग्रेसी नेता ने इसे 'जनता के साथ छलावा' बताया है। उनका कहना है कि सरकारी विभागों की इस मनमानी के कारण गरीबों के घर अंधेरे में डूब रहे हैं, जबकि पारदर्शिता का नामोनिशान नहीं है। ये हैं प्रमुख मांगें:-प्री-पेड हटाओः तत्काल प्रभाव से प्री-पेड मीटर हटाकर पुरानी 'पोस्ट-पेड मीटर' व्यवस्था बहाल की जाए। स्पष्ट बिलिंगः बिजली बिल की रसीद पर मीटर रीडिंग और खपत यूनिट का स्पष्ट उल्लेख हो, ताकि उपभोक्ता सत्यापन कर सकें।मनमानी पर रोकः त्रुटिपूर्ण बिलों में सुधार किया जाए और जनता को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि विभाग ने अपनी कार्यप्रणाली में सुधार नहीं किया और मनमानी बंद नहीं की, तो आम जनता को सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

पुलिस लाइन में 485 आरक्षियों की दीक्षांत परेड जिसकी डीआईजी यातायात ने ली सलामी,किया टोलियों का निरीक्षण

सोनभद्र। पुलिस लाइन चुर्क स्थित प्रशिक्षण केंद्र में रविवार

को 485 रिक्रूट आरक्षियों की दीक्षांत परेड संपन्न हुई। इस समारोह में नवआरक्षियों ने अपने कठिन प्रशिक्षण, समर्पण और उत्कृष्ट कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया, जिसमें अनुशासन और ऊर्जा का संगम देखने को मिला। समारोह के मुख्य अतिथि पुलिस उप महानिरीक्षक यातायात अरविंद कुमार मौर्या रहे। उन्होंने परेड की सलामी ली और परेड ग्राउंड में सुसज्जित 18 टोलियों का निरीक्षण किया।डीआईजी मौर्या ने प्रशिक्षार्थियों की एकरूपता, शारीरिक दक्षता और ड्रिल की उत्कृष्टता की सराहना की। निरीक्षण के दौरान नवआरक्षियों का आत्मविश्वास, संतुलन और अनुशासन विशेष रूप से आकर्षक रहा। इसके बाद सभी टोलियों ने शानदार और समन्वित मार्चपास्ट प्रस्तुत किया। कदम से कदम मिलाकर चलते हुए, सभी टोलियों ने सलामी मंच से गुजरते हुए मुख्य अतिथि को सलामी दी। मार्चपास्ट की सटीकता, तालमेल और अनुशासन ने उपस्थित जनसमूह को प्रभावित किया। समारोह के दौरान प्रशिक्षण के विभिन्न विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले रिक्रूट आरक्षियों को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में नवआरक्षियों को दीक्षांत की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि पुलिस सेवा केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि जनसेवा का सर्वोच्च माध्यम है। उन्होंने सभी को ईमानदारी, निष्पक्षता, संवेदनशीलता और कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करने का संदेश दिया तथा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर सभी नवआरक्षियों को कर्तव्यों के प्रति शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने कहा ने सभी नवआरक्षियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस की छवि को और अधिक सुदृढ़ बनाने में नवआरक्षियों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी तथा आमजन के प्रति संवेदनशील, जवाबदेह और मित्रवत पुलिसिंग ही उनकी पहचान बनेगी। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी सोनभद्र चर्चित गौड़, अपर पुलिस अधीक्षक, समस्त क्षेत्राधिकारी प्रशिक्षण केन्द्र के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

सोनभद्र जिला प्रशासन ने बढ़ती गर्मी के मद्देनजर दिशा-निर्देश दिए

सोनभद्र। जनपद में बढ़ती गर्मी और लू (हीट स्ट्रोक) के खतरे को देखते हुए जिला प्रशासन ने एक विस्तृत एडवाइजरी जारी की है। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया जा रहा है,जिसके आगामी दिनों में 45 डिग्री तक पहुंचने का अनुमान है।शरीर में पानी और नमक की कमी होने पर लू लगने का खतरा बढ़ जाता है।ऐसे में सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक खुले स्थानों पर निकलना स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। लू (हीट स्ट्रोक) के प्रमुख लक्षणों में गर्म, लाल और शुष्क त्वचा,पसीना न आना, तेज पल्स, उथली और तेज श्वास गति शामिल हैं।इसके अतिरिक्त,व्यवहार में बदलाव,भ्रम की स्थिति, सिरदर्द, मितली, थकान, कमजोरी, चक्कर आना और मूत्र की कमी भी इसके संकेत हो सकते हैं।लू से बचाव के लिए स्थानीय मौसम पूर्वानुमान पर लगातार ध्यान देना और तापमान में होने वाले परिवर्तनों के प्रति सतर्क रहना महत्वपूर्ण है।आपात स्थिति से निपटने के लिए प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण लेना भी सहायक सिद्ध हो सकता है।नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे अधिक से अधिक पानी पिएं,भले ही प्यास न लगी हो।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

श्री महन्तू
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज
नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

पंजाब किंग्स की जीत पर प्रीति जिंटा ने बधाई दी,बोला- श्रेयस, यह जीत रिकॉर्ड में दर्ज होगी, केएल राहुल की पारी की भी तारीफ की

नयी दिल्ली। शनिवार को आईपीएल मैच में पंजाब किंग्स

ने दिल्ली कैपिटल्स को छह विकेट से हराया, जिसके बाद टीम की को-ऑनर प्रीति जिंटा ने खुशी जाहिर की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर कर टीम और खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए जीत की बधाई दी। प्रीति ने अपनी पोस्ट में सबसे पहले विरोधी टीम दिल्ली कैपिटल्स के बैट्समैन केएल राहुल की शानदार पारी के लिए उन्हें बधाई दी। वहीं, प्रीति ने अपनी टीम को लेकर लिखा, 'श्रेयस अय्यर, यह जीत रिकॉर्ड में दर्ज हो जाएगी। आज वाकई गर्मी थी।' साथ ही उन्होंने प्रभसिमरन सिंह, प्रियांश आर्य, नेहाल वढेरा और शशांक सिंह की भी तारीफ की।मैच की बात करें तो पंजाब किंग्स ने टी20 इतिहास के सबसे बड़े लक्ष्यों में से एक 265 रन का सफल पीछा किया। दिल्ली की ओर से केएल राहुल ने 67 गेंदों में 152 रन की पारी खेली। इसके साथ वह आईपीएल में 150 रन बनाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने। उन्होंने भारत के पुरुष टी20 क्रिकेट में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। हालांकि उनकी यह पारी टीम को जीत नहीं दिला सकी। पंजाब किंग्स ने इससे पहले 2024 के आईपीएल सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 262 रन का पीछा कर रिकॉर्ड बनाया था। इस बार टीम ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस जीत के साथ पंजाब छह जीत और एक बिना रिजल्ट वाले मैच के साथ 13 अंकों पर पहुंच गई है और अब तक एक भी मैच नहीं हारी है। वहीं दिल्ली कैपिटल्स तीन जीत और चार हार के साथ छठे स्थान पर है, जिसके छह अंक हैं।

सिर के पीछे लगी थी चोट, मैदान से हॉस्पिटल पहुंचे, भयानक इंजरी पर अब लुंगी एनगिडी ने कही दिल की बात

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स

के लुंगी एनगिडी को आईपीएल 2026 के 35वें मुकाबले में पंजाब किंग्स के खिलाफ खेलते हुए कैच पकड़ने के प्रयास में सिर के पीछे गंभीर चोट लग गई थी, जिसके बाद उन्हें मैदान से सीधा अस्पताल ले जाया गया था। कुछ घंटे बाद हो गए थे डिस्चार्ज- बता दें कि साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी दिल्ली के राजेंद्र नगर के मैक्स हॉस्पिटल ले जाया गया था। जहां उनका इलाज चला और कुछ घंटे बाद ही उनको छुट्टी भी मिल गई थी। वहीं दिल्ली कैपिटल्स के को ओनर और अध्यक्ष किरण गांधी भी उनसे मिलने अस्पताल पहुंचे थे। अब तेज गेंदबाज ने अपनी इंजरी को लेकर खुद अपडेट भी दिया है।लुंगी एनगिडी ने अपने ऑफीशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर स्टोरी शेयर की। उन्होंने स्टोरी शेयर करते हुए लिखा, 'आप सब के मैसेज के लिए शुक्रिया, सब ठीक है।' बता दें कि पंजाब किंग्स की पारी के तीसरे ओवर में ही लुंगी एनगिडी को यह चोट लग गई थी। वो मैच में बिना कोई ओवर डाले ही चोटिल हो गए थे। हालांकि दिल्ली को उनकी कमी मैच में काफी ज्यादा खली। दिल्ली कैपिटल्स 265 रन का टारगेट डिफेंड नहीं कर पाई और पंजाब ने 6 विकेट से 18.5 ओवर में मैच अपने नाम कर लिया।साउथ अफ्रीका के लुंगी एनगिडी अब तक दिल्ली कैपिटल्स के लिए इस सीजन अहम गेंदबाज रहे हैं। उन्होंने अब तक 7 मैचों में 7 विकेट झटके हैं। जहां इस आईपीएल में तकरीबन हर मैच में 200 रन बन रहे हैं। इसके बावजूद एनगिडी का इकॉनमी रेट सिर्फ 8.70 का रहा है। अगर वह पंजाब के खिलाफ अपने 4 ओवर का स्पेल डालते तो शायद मैच का नतीजा कुछ और हो सकता था। अब यह देखने वाली बात होगी कि एनगिडी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 27 अप्रैल को खेलेंगे या नहीं।

दर्द में तड़पे, लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर गए, कितनी गंभीर है वैभव सूर्यवंशी की चोट? राजस्थान रॉयल्स ने बताया

नयी दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स के 15 साल के वैभव

सूर्यवंशी को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में बीते 25 अप्रैल को हैमस्ट्रिंग इंजरी हो गई थी। यह घटना हैदराबाद की पारी के दौरान की तीसरे ओवर की है। वो ओवर राजस्थान रॉयल्स के लिए जोफ्रा आर्चर डाल रहे थे। ओवर की आखिरी बॉल पर ईशान किशन ने कवर के ऊपर से शॉट मारा। वैभव सूर्यवंशी बॉल को रोकने के लिए उसके पीछे भागे। हालांकि भागते-भागते सूर्यवंशी रुक गए थे। उनको हैमस्ट्रिंग में कुछ परेशानी हो गई थी। इसके बाद फीजियो मैदान पर आते हैं। वो उन्हें कुछ देर देखते हैं और फिर सूर्यवंशी को मैदान से बाहर ले जाने का फैसला किया जाता है। हालांकि अब सूर्यवंशी की इंजरी पर आरआर के बैटिंग कोच विक्रम राठौड़ ने बड़ा अपडेट दिया है। विक्रम राठौड़ ने सूर्यवंशी को लेकर क्या कहा? राजस्थान रॉयल्स के बैटिंग कोच विक्रम राठौड़ ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'वो अपनी हैमस्ट्रिंग में कुछ महसूस कर रहे थे। लेकिन वो अब ठीक लग रहे हैं। उन्होंने उन्हें (वैभव सूर्यवंशी) ट्रीट किया तो वो सही लग रहे हैं। हमें बाकी एक दो दिन में पता चलेगा। लेकिन यह सीरियस नहीं लग रहा है।' राजस्थान रॉयल्स के 15 वर्षीय सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने शनिवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ महज 36 गेंदों में शतक लगाया, जो गेंदों के लिहाज से इंडियन प्रीमियर लीग का तीसरा सबसे तेज शतक है। आईपीएल के इतिहास में सबसे तेज शतक क्रिस गेल के नाम पर है, जिन्होंने 23 अप्रैल 2013 को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की तरफ से खेलते हुए पुणे वॉरियर्स के खिलाफ महज 30 गेंदों में शतक पूरा किया था। आईपीएल में दूसरा सबसे तेज शतक वैभव सूर्यवंशी के नाम पर है,

जिन्होंने 28 अप्रैल 2025 को राजस्थान रॉयल्स की तरफ से खेलते हुए गुजरात टाइटंस के विरुद्ध 35 गेंदों में इस मुकाम को हासिल किया था। यूसुफ पठान और हेनरिक क्लासेन 37-37 गेंदों में यह कारनामा कर चुके हैं।

हेल्थ इंडस्ट्री का नया ट्रेंड- मशरूम सप्लीमेंट,ये कितना फायदेमंद, क्या हैं साइड इफेक्ट, बता रहे हैं एक्सपर्ट

नयी दिल्ली। हेल्थ और फिटनेस की दुनिया में इन दिनों एक नया ट्रेंड पॉपुलर हो रहा

है- 'मशरूम सप्लीमेंट।' सोशल मीडिया से लेकर जिम तक, हर जगह इसके फायदों की चर्चा हो रही है। कोई इसे इम्यूनिटी बूस्टर बता रहा है तो कोई ब्रेन फंक्शन और एनर्जी के लिए गेम-चेंजर। सवाल ये है कि क्या ये सच में इतना असरदार है या सिर्फ एक ट्रेंड है? एक्सपर्ट्स इस बारे में क्या कह रहे हैं? ऐसे सभी सवालों के जवाब जानना जरूरी है, ताकि आप सेहत के लिए सही और सुरक्षित फैसला ले सकें। इसलिए 'जरूरत की खबर' में आज मशरूम सप्लीमेंट की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- ये खाने वाले मशरूम से कैसे अलग है? इसके हेल्थ बेनिफिट्स क्या हैं? इसके साइड इफेक्ट्स क्या हैं? ये सारे फैक्ट साइंटिफिकली साबित हुए हैं या नहीं। साथ ही समझेंगे विषय को एक्सपर्ट: डॉ. अनु अग्रवाल, सीनियर क्लीनिकल डाइटीशियन, फाउंडर- 'वनडाइटटुडे' जी के साथ। सवाल- मशरूम सप्लीमेंट क्या है? जवाब- ये एक ऐसा न्यूट्रिशनल प्रोडक्ट है, जो मशरूम की मेडिसिनल प्रॉपर्टीज से बनाया जाता है। इसके कई प्रकार हैं- रीशी - इम्यूनिटी बढ़ाने और तनाव कम करने के लिए। लायन्स मेन - ब्रेन और

याददाश्त के लिए। कॉर्डिसेप्स - एनर्जी और स्टैमिना बढ़ाने के लिए। चागा - एंटीऑक्सिडेंट्स के लिए। शिटाके - हार्ट हेल्थ और इम्यून सिस्टम के लिए। सवाल- ये खाने वाले मशरूम से कैसे अलग है? जवाब- मशरूम सप्लीमेंट और खाने वाले मशरूम (एडिबल मशरूम), दोनों एक ही सोर्स से आते हैं, लेकिन इनका उपयोग, प्रोसेसिंग और असर अलग होते हैं। 1. उद्देश्य- खाने वाले मशरूमः जैसे बटन मशरूम। इसकी सब्जी बनती है। मशरूम सप्लीमेंटः-इम्यूनिटी, ब्रेन, एनर्जी जैसे हेल्थ बेनिफिट्स के लिए लिया जाता है। 2. बनाने का तरीका-खाने वाले मशरूमः सीधे उगाकर-पकाकर खाया जाता है। मशरूम सप्लीमेंटः मशरूम को सुखाकर, पीसकर या उसका एक्सट्रैक्ट निकालकर कैप्सूल/पाउडर में बदला जाता है। 3. न्यूट्रिएंट्स-खाने वाले मशरूमः सामान्य न्यूट्रिशन (प्रोटीन, फाइबर, विटामिन) देता है। मशरूम सप्लीमेंटः इसमें बीटा-ग्लूकन्स जैसे खास एक्टिव कंपाउंड्स होते हैं। 4. असर-खाने वाले मशरूमः धीरे-धीरे हेल्थ को सपोर्ट करता है। मशरूम सप्लीमेंटः याददाश्त, इम्यूनिटी, एनर्जी जैसे स्पेसिफिक गोल के लिए बनाया जाता है। सवाल- मशरूम सप्लीमेंट अभी ट्रेंड में क्यों है? भारत में इसका मार्केट कितना बड़ा है? जवाब- मशरूम एक 'सुपरफूड' है। इसलिए इससे बने सप्लीमेंट्स लोगों का ध्यान खींच रहे हैं। इसके कई कारण हैं-मशरूम सप्लीमेंट को कॉग्निटिव हेल्थ और स्ट्रेस कंट्रोल से जोड़ा जा रहा है।

केमिकल सप्लीमेंट्स की जगह लोग नेचुरल और आयुर्वेदिक विकल्प अपना रहे हैं। मशरूम को 'एडाप्टोजेन' माना जाता है। यानी ये शरीर को परिस्थिति के मुताबिक ढलने के लिए तैयार करता है। कोविड के बाद इम्यूनिटी पर फोकस बढ़ा है, जिससे फिटनेस फ्रीक लोगों के बीच मशरूम सप्लीमेंट्स तेजी से पॉपुलर हुए हैं। भारत में मशरूम सप्लीमेंट का मार्केट

मार्केट रिसर्च और कंसल्टिंग कंपनी 'ग्रांड व्यू रिसर्च' के मुताबिक, भारत में साल 2023 में मशरूम सप्लीमेंट्स का मार्केट लगभग 5,800 करोड़ रुपए था।

इसके साल 2030 तक बढ़कर 11,800 करोड़ रुपए होने की संभावना है। यह लगभग हर साल 10-11फीसदी ग्रोथ कर रहा है। सवाल- मशरूम सप्लीमेंट्स किस-किस फॉर्म में आते हैं? जवाब- मशरूम सप्लीमेंट्स कई फॉर्म में बाजार में उपलब्ध हैं- कैप्सूल टैबलेट पाउडर लिक्विड एक्सट्रैक्ट/टिंचर मशरूम कॉफी/टी गमीज रेडी-टू-ड्रिंक/शॉट्स प्रोटीन बार्स चॉकलेट, स्नैक्स, सवाल- मशरूम सप्लीमेंट्स दावा करते हैं कि ये इम्यूनिटी और ब्रेन के लिए अच्छे हैं। क्या ये दावे साइंटिफिकली प्रूवेन हैं? जवाब- आइए देखते हैं साइंस इस बारे में क्या कहता है- 'नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन' में साल 2024 में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, कुछ मशरूम में बीटा-ग्लूकन नाम के कंपाउंड होते हैं। ये इम्यून सेल्स को एक्टिवेट कर सकते हैं। लैब और एनिमल स्टडीज में पॉजिटिव असर भी दिखा है। इंसानों पर रिसर्च- क्लिनिकल ट्रायल्स में पता चला है कि- 'रीशी' मशरूम इम्यून रिस्पॉन्स को मॉड्यूलेट कर सकता है। 'शिटाके' मशरूम इंफ्लेमेशन कम करने में मदद कर सकता है। स्टडी की लिमिटेशंस-स्टडीज का सैंपल साइज छोटा है। लॉन्ग-टर्म इंपैक्ट स्पष्ट नहीं है। सभी ब्रांड्स में एक्टिव कंपाउंड एक जैसे नहीं होते हैं। मशरूम सप्लीमेंट्स से इम्यूनिटी बूस्ट हो सकती है, लेकिन इसे स्ट्रॉन्गली प्रूवेन नहीं कहा जा सकता है। ब्रेन हेल्थ और मेमोरी का दावा कितना सच? 'लायन्स मेन' में हेरिसेनोन्स, एरिनासिन्स कंपाउंड्स होते हैं। ये नर्व ग्रोथ फैक्टर को स्टिमुलेट कर सकते हैं। स्टडी क्या कहती है?

इंसानों पर हुई कुछ स्टडीज में हल्का कॉग्निटिव इम्प्रूवमेंट देखा गया है। एनिमल स्टडीज में मेमोरी और न्यूरॉन ग्रोथ बेहतर हुआ। स्टडी की लिमिटेशन

स्टडीज बहुत लिमिटेड हैं। अल्जाइमर्स या डिमेंशिया पर स्ट्रॉन्ग एविडेंस नहीं हैं। निष्कर्ष- इसके रिजल्ट ब्रेन हेल्थ के लिए प्रॉमिसिंग हैं, लेकिन अभी क्लिनिकली प्रूवेन नहीं हैं। सवाल- अब तक की साइंस स्टडीज के मुताबिक मशरूम सप्लीमेंट्स के हेल्थ बेनिफिट्स क्या हैं? जवाब- न्यूट्रिशन साइंस इसके कई फायदे बताता है। सवाल- क्या मशरूम सप्लीमेंट्स का कोई साइड इफेक्ट भी है? जवाब- मशरूम सप्लीमेंट्स आमतौर पर नेचुरल होते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि इनके कोई साइड इफेक्ट नहीं होते। सवाल- क्या ये सप्लीमेंट अन्य दवाओं के साथ रिएक्ट करते हैं? जवाब- हां, मशरूम सप्लीमेंट्स कुछ दवाओं के साथ रिएक्ट कर सकते हैं। यह हर व्यक्ति में नहीं होता, लेकिन साइंस और क्लिनिकल रिपोर्ट्स के अनुसार कुछ कॉम्बिनेशन में सावधानी जरूरी है। जैसेकि- ब्लड थिनर दवाओं के साथ। डायबिटीज की दवाओं के साथ। ब्लड प्रेशर की दवाओं के साथ। इम्यूनोसप्रेसेंट दवाओं के साथ। सेडेटिव और स्लीप मेडिसिन के साथ। कीमोथेरेपी या कैंसर ड्रग के साथ। सवाल- क्या मशरूम सप्लीमेंट्स एफडीए और एफएसएसएआई से रेगुलेटेड हैं? जवाब- हां, मशरूम सप्लीमेंट्स एफडीए (फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन) और एफएसएसएआई (फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया) दोनों के तहत कुछ हद तक रेगुलेटेड हैं। लेकिन ये फूड सप्लीमेंट्स हैं, इसलिए पूरी तरह टेस्टेड और अप्रूव्ड नहीं होते हैं। इसे खरीदते समय खुद स्मार्ट रहना जरूरी है। सवाल- असली मशरूम खाना ज्यादा फायदेमंद है या उसका सप्लीमेंट लेना? जवाब- खाने वाले मशरूम ज्यादा बेहतर और सुरक्षित विकल्प हैं, लेकिन कुछ खास स्थितियों में सप्लीमेंट भी काम आ सकते हैं। जैसेकि- मेमोरी, स्टैमिना के स्पेसिफिक गोल हो। डॉक्टर रेकमेंड करे। डाइट से पर्याप्त पोषण न मिल रहा हो। सवाल- अगर खाने वाला मशरूम उपलब्ध न हो तो उसका दूसरा हेल्दी विकल्प क्या है? जवाब- अगर खाने वाला मशरूम उपलब्ध नहीं है तो इसके न्यूट्रिएंट्स दूसरे फूड्स में भी आसानी से मिल सकते हैं। सवाल- क्या ये सप्लीमेंट लेने से पहले हमेशा अपने डॉक्टर से कंसल्ट करना चाहिए? जवाब- हां, मशरूम सप्लीमेंट लेने से पहले डॉक्टर से कंसल्ट करना बेहतर है। सवाल- किन लोगों को मशरूम सप्लीमेंट नहीं लेना चाहिए? जवाब- कुछ लोगों के लिए यह सुरक्षित नहीं है। ऐसे

लोग इसे अवॉइड करें या डॉक्टर की सलाह से लें-- मशरूम सप्लीमेंट्स में मौजूद बायोएक्टिव कंपाउंड्स इम्यूनिटी और ब्रेन हेल्थ को सपोर्ट करते हैं। लेकिन इनके फायदे अभी सीमित साइंटिफिक सबूतों पर आधारित हैं। इसलिए संतुलित डाइट को प्राथमिकता दें। सप्लीमेंट लेने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

बच्चो को सिर्फ जरुरत का सामान ही नहीं समय देना भी आवश्यक

7 साल की समायरा मुम्बई के चेम्बूर में एक बड़े रिटेल स्टोर की शेल्फ के बीच में खड़ी थी। उसने अपनी मां अमृता से पूछा, 'मम्मी मुझे ये मिठाई चाहिए'। अमृता ने इधर-उधर देखा और पाया कि वहां समायरा के कद का एक और बच्चा पहले से मिठाई खा रहा था और इसीलिए उसकी बच्ची ने भी उसी मिठाई की मांग की। वह जानती थी कि इस उम्र में यह स्वाभाविक है कि बच्चों को वो सब चाहिए, जो साथियों के पास है।अमृता ने ग्रोसरी शेल्फ की ओर देखना बंद किया, हालांकि उसे पता था कि वह लेट हो रही थी और उसे सिर्फ दो और चीजें ही लेनी थी और घर जाना था क्योंकि मेहमान लंच पर आने वाले थे। लेकिन अपनी बेटी की मांग पर सख्ती से 'ना' कहने या उसकी मांग के आगे झुक जाने के बजाय उसने अपने काम को रोकने और बेटी से बात करने का फैसला किया।वह थोड़ा झुकी और समायरा की आंखों में आंखें डालकर बोली 'बताओ बच्चा' (सख्त स्वर में), ईमानदारी से बताओ (करुण स्वर में) तुम्हें इस मिठाई की जरूरत है (सामान्य स्वर में) या...तुम बस इसे लेना चाहती हो? (जिज्ञासु स्वर में, जैसे मां को जवाब पता नहीं)।' समायरा शर्माती सी उसके कंधे पर टिक गई, और धीमे स्वर में दूसरे बच्चे की ओर अंगुली करते हुए बोली 'उसके पास ऐसी मिठाई है'।अब इस मोलभाव में मां का पक्ष मजबूत था। अमृता ने कहा, 'कोई बात नहीं, तुम्हें खाने के लिए मिठाई चाहिए। हमारे फ्रिज में रखीं हैं। हम घर जा रहे हैं, यदि तब भी तुम्हें लगे कि ये खानी है, तुम हमेशा ले सकती हो। पर सिर्फ इसलिए

कि किसी दूसरे के पास यह है, इसका मतलब यह नहीं कि हमारे पास भी वही होनी चाहिए।'स्टोर में कोई नहीं जानता कि समायरा इन गहरे शब्दों को समझ पाई या नहीं, लेकिन दूसरे बच्चे की मां अमृता के पास आई और उसकी तारीफ की। अमृता ने जल्दी से वो चीजें ली, जो वो चाहती थी और समायरा भी एक मेमने की तरह मां के पीछे खुशी-खुशी, नाचती हुई चलती दिख रही थी।समायरा के पिता समीर और मां अमृता से ही उसे अपना नाम मिला। दोनों ही बैंकर हैं और ऊंचे पद पर हैं और मुम्बई की सबसे पॉश कॉलोनी में रहते हैं, इसलिए उनके लिए अफॉर्डबिलिटी कभी कोई मसला नहीं रहा। फिर भी समायरा को वह सब कुछ नहीं मिलता, जो वह चाहती है।यही उनकी परवरिश की खूबसूरती है। दूसरी कक्षा में पढ़ने वाली समायरा के दादा-दादी ने इस रविवार को मुझे और मेरी पत्नी को दोपहर के भोजन के लिए आमंत्रित किया। इसी कारण मैं इस वाकिये के बारे में जान पाया।अमृता ने कहा,'माता-पिता बच्चों के सुखद बचपन के निर्माण के लिए नियमित प्रयास करते हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि बढ़ते बच्चों की जरूरतों का ध्यान रखा जाए और वो सबकुछ दिया जाए, जिसकी उन्हें जरूरत है। लेकिन ठीक उसी समय, इच्छाओं व सनक के बीच महीन रेखा होती है, और पैरेंन्ट्स को चाहिए कि वे अपने बच्चों को इस अंतर के बारे में समझाने की जिम्मेदारी लें।जब उन्हें सब मिल जाता है तो एक समय पर वह बहुत सी चीजों के प्रति लालची हो जाते हैं। यह जरूरी है कि वे बड़े होने पर आवश्यकता और चाहत के बीच के अंतर को समझे। यह सब बताते हुए अमृता ने ये भी कहा कि मैं खुद को कभी नहीं रोकती, मैं बेटी की जरूरतें पूरी करती हूं, उसके बचपन में चमक बिखेरने वाले गिफ्ट देती हूं और उसे उनका आनंद लेने देती हूं।लेकिन सिर्फ माता-पिता ही यह जानते हैं कि कब बच्चा थोड़ा जिद्दी हो रहा है और यही वह समय होता है जब बच्चों को यह सीख देनी होती है कि 'अपनी जरूरतों को जानो'। समायरा के पैरेंट्स से बातचीत में मुझे एहसास हुआ कि वे मेरी पीढ़ी की तुलना में अधिक बेहतर माता-पिता है। उसी समय मैंने निर्णय किया कि अगली 'गुड पैरेंटिंग' सेमिनार में उन्हें बुलाया जाना चाहिए।फंडा यह है कि जरूरतों को प्राथमिकता के स्तर पर तय करने से किसी बच्चे को यह समझने में सहायता मिलती है कि उसे किस चीज की जरूरत है और कौन-सी चीज सिर्फ उसकी चाहत है। इससे उनमें एहसानमंद होने और संतोष की भावना विकसित होती है। इससे बच्चा जिम्मेदारी, मुसीबतों से पार पाने की क्षमता और कठिन परिश्रम के महत्व जैसे जीवन के मूल्यवान सबक भी सीखता है।

ग्रोथ एक आंकड़ा नहीं माइंडसेट है, जो मूंगफली की दुकान से भी आ सकती है

लक्ष्मी रोज पति के ऑफिस और बच्चों के स्कूल जाने के बाद 3 घंटे की वॉलंटियरिंग के लिए घर से निकल जाती हैं। उन्होंने

यूनिवर्सिटी की पढ़ाई तो की, पर काम का कोई अनुभव नहीं है। वे नियमित रूप से एक स्थानीय निजी अस्पताल की चैरिटी विंग में लगन से उन मरीजों की मदद करतीं, जो इलाज का खर्च नहीं उठा सकते थे। जरूरतमंद लोगों को कम खर्च या कई बार मुफ्त में इलाज दिलाकर उन्हें संतोष मिलता। धीरे-धीरे उनका चैरिटी का काम बढ़ा तो इलाके में उनकी पहचान बनने लगी। वे स्टाफ रखने लगीं, फंडिंग के लिए मल्टीनेशनल कंपनियों से जुड़ीं, कॉरपोरेट डोनर्स से मिलने यात्राएं करने लगीं। साथ ही अपने मूल स्थान पर चल रहा काम भी संभालती थीं। आप जानते हैं? कि वे चुपचाप क्या बना रही थीं? यह था- अपना सीवी। वे लीडरशिप, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट और स्ट्रैटेजिक टीम बिल्डिंग जैसे पेशेवर स्तर के काम कर रही थीं। यह वास्तविक अनुभव कई महंगे कॉरपोरेट ट्रेनिंग प्रोग्राम्स से ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। करीब 50 हजार लोगों पर हुए ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी के अध्ययन में सामने आया कि वॉलंटियरिंग एकमात्र वर्कप्लेस इंटरवेंशन है, जो व्यक्ति की वेलबीइंग को बेहतर बनाता है और यह कर्मचारियों की पारंपरिक ट्रेनिंग या अन्य सहायता कार्यक्रमों से काफी आगे है। लक्ष्मी के लिए भी ये सच साबित हुआ। काम शुरू करने के 5 साल बाद उनके जीवन में कठिनाई आई। पति की नौकरी चली गई। पर लक्ष्मी ने आत्मविश्वास नहीं खोया। उन्होंने पति का हौसला बनाए रखा, दोस्तों-पड़ोसियों के सामने भी माहौल सहज रखा। वॉलंटियरिंग ने जल्द ही बेहद व्यावहारिक तरीके से घरेलू स्थिति संभाल ली। कैसे?अब तक उन्होंने मजबूत व विविध नेटवर्क बनाया था। वे प्रभावशाली लोगों को कॉल कर सकती थीं, सीधे उनके ऑफिस जा सकती थीं। लक्ष्मी की निस्वार्थ सेवा-पेशेवर रवैए के कारण वे लोग उनका सम्मान करते। इन चर्चाओं में उन्होंने परिवार की आपात स्थिति बताई और सहायता भी तत्काल मिली। न सिर्फ उनके पति को नई नौकरी मिली, बल्कि उन्हें भी उसी चैरिटी में वेतन वाली स्थायी नौकरी ऑफर हुई। आज भी ऑफिस की नौकरी के अलावा वे तीन घंटे अतिरिक्त वॉलंटियरिंग करती हैं। वॉलंटियरिंग दूसरों की मदद का तो बेहतर तरीका है ही, आज के जॉब मार्केट में ये खुद की मदद का भी सबसे अच्छा जरिया बन गया है। रिक्रूटर्स शैक्षणिक उपलब्धियों से ज्यादा प्रामाणिक कौशल को प्राथमिकता देते हैं, इसलिए वॉलंटियरिंग प्रोफाइल मजबूत बनाती है। बहुत-से रिक्रूटर्स मानते हैं कि वॉलंटियरिंग में अनुभवी कैंडिडेट्स ज्यादा खुश रहते हैं, इंटरव्यू को अधिक सहजता से हैंडल करते हैं। उनके अनुभव अधिक प्रामाणिक होते हैं। यूके जैसे देशों में कंपनियां वॉलंटियरिंग को बढ़ावा देती हैं, क्योंकि वे जानती हैं कि इसका कर्मचारियों के प्रदर्शन व कार्यस्थल की संतुष्टि पर सकारात्मक असर होता है।मुझसे मार्गदर्शन लेने वाले विद्यार्थियों को मैं हमेशा सलाह देता हूं कि काम यदि अत्यधिक तकनीकी भरा न हो तो सामान्य इंटर्नशिप के बजाय वॉलंटियरिंग करें। इससे नेटवर्क बनता है, अनौपचारिक माहौल में लाभार्थियों व कॉरपोरेट लीडर्स से सीधे बात का मौका मिलता है। ये उन्हें प्रोफेशनल टर्मिनोलॉजी-व्यवहारिक कामकाज सिखाती है, जिससे उनके पास इंटरव्यू में बात करने के लिए ठोस विषय होते हैं। 2005 की मुंबई बाढ़ में मदद करने वाले मेरे विद्यार्थियों को उनके साथियों से पहले नौकरी मिली। वजह सिर्फ चैरिटी नहीं थी, बल्कि उन्होंने साबित किया था कि वे परिपक्वता से आपदाओं को संभाल सकते हैं। हर सक्षम व्यक्ति, खासकर कॉलेज छात्रों को वॉलंटियरिंग जरूर करनी चाहिए। इससे आत्मसंतुष्टि मिलती है और संकट के वक्त में वे पेशेवर की तरह सहायता करना सीखते हैं। फंडा यह है कि वॉलंटियरिंग के जरिए आप स्वयं का ही सबसे मजबूत रूप तैयार करते हैं। सुनिश्चित करते हैं कि आप भविष्य की हर चुनौती के लिए तैयार हैं। ...और तब देना ही पाना भी बन जाता है। एन. रघुरामन

देश में गरीबी घट रही है और इस पर दुनिया की नजर है

क्या भारत में गरीबी दर घट रही है? और अगर ऐसा है, तो

सरकार अभी भी 80 करोड़ से ज्यादा भारतीयों को मुफ्त अनाज क्यों दे रही है? पहले सवाल का जवाब है- हां, भारत में गरीबी दर वाकई घट रही है, और पहले से कहीं ज्यादा तेजी से। आरबीआइ के पूर्व गवर्नर सी. रंगराजन की अध्यक्षता वाली समिति की नई रिपोर्ट के अनुसार गरीबी दर 2011-12 में 29.5फीसदी थी, जो 2023-24 में घटकर 4.9फीसदी हो गई है। यह एक असाधारण गिरावट है। रंगराजन कहते हैं गिरावट की दर पिछले 12 साल की अवधि में 2.02फीसदी प्रति वर्ष रही है।तब सवाल उठता है कि अगर पिछले 12 सालों में गरीबी में इतनी नाटकीय गिरावट आई है, तो सरकार प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 806.7 मिलियन भारतीयों को मुफ्त अनाज क्यों दे रही है? इसका जवाब आंशिक रूप से राजनीतिक और आंशिक रूप से वैज्ञानिक है। मुफ्त खाद्यान्न योजना को गरीबों के वोटों के लिए शुरू किया गया था, लेकिन यह पोषण संबंधी सप्लीमेंट के लिए भी थी।सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) एक प्रसिद्ध पत्रिका डाउन टु अर्थ प्रकाशित करता है। इसने एक रिपोर्ट का हवाला दिया कि भारत में हर साल 17 लाख से ज्यादा लोगों की कुपोषण से मृत्यु हो जाती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 71फीसदी भारतीय पौष्टिक भोजन नहीं खरीद सकते।हालांकि गरीबी दर गिरकर 4.9फीसदी हो गई है, लेकिन पोषण एक गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। गरीब भारतीयों का एक बड़ा हिस्सा पौष्टिक आहार नहीं खरीद सकता। इसलिए मुफ्त खाद्यान्न सहायता दी जाती है। बचे हुए पैसों को ज्यादा पौष्टिक भोजन पर लगाया जा सकता है।जैसा कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिकी सेनेटर एलिसा स्लोटकिन से कहा- सेनेटर, आपने कहा कि लोकतंत्र आपकी मेज पर भोजन नहीं लाता। वास्तव में, दुनिया के जिस हिस्से में मैं रहता हूं, वहां ऐसा होता है। आज चूंकि हम एक लोकतांत्रिक समाज हैं, इसलिए हम 800 मिलियन से ज्यादा लोगों को पोषण-सहायता और भोजन देते हैं।विश्व बैंक ने भी भारतीय गरीबी में गिरावट की पुष्टि की है। इंडियन एक्सप्रेस में लिखते हुए सी. रंगराजन और एस. महेंद्र देव (प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष) ने बताया कि विश्व बैंक ने हाल ही में 100 से अधिक विकासशील देशों के लिए गरीबी और समानता संबंधी संक्षिप्त रिपोर्ट जारी की है।इसमें कहा गया है कि भारत ने पिछले दशक में गरीबी में उल्लेखनीय कमी की है। अत्यधिक गरीबी (क्रय शक्ति समता के संदर्भ में प्रतिदिन 2.15 डॉलर से कम पर जीवन यापन करना) 2011-12 में 16.2फीसदी से घटकर 2022-23 में 2.3फीसदी हो गई। इस अवधि में 17 करोड़ से अधिक लोग अत्यधिक गरीबी की स्थिति से ऊपर उठ गए।निम्न-मध्यम आय वाले देशों के लिए गरीबी रेखा के मानदंड से नीचे के लोगों की संख्या (प्रतिदिन 3.65 डॉलर) 61.8फीसदी से घटकर 28.1फीसदी हो गई। यदि गरीबी को परिभाषित करने के लिए घरेलू आय का कट-ऑफ स्तर बढ़ा दिया जाए, तो गरीबी दर तेजी से बढ़कर 28.1फीसदी हो जाती है। यह लगभग 50 करोड़ भारतीयों का जनसांख्यिकीय समूह है, जिसे पोषण संबंधी सहायता की आवश्यकता है।प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत अतिरिक्त 30 करोड़ और लोगों को शामिल किया गया है, ताकि स्पष्ट चुनावी लाभ के साथ व्यापक जनसांख्यिकीय समूह तक भी पहुंचा जा सके। भारत में गरीबी के निरंतर प्रसार के बावजूद गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की संख्या में कमी देखी जा सकती है।1947 में स्वतंत्रता के बाद से भारत में अकाल नहीं पड़ा है। जबकि ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के 190 वर्षों के दौरान 31 बड़े अकाल पड़े थे, जिनमें से आखिरी 1943 का बंगाल अकाल था। उसमें 30 लाख लोग मारे गए थे।रंगराजन गरीबी दर में गिरावट को जीडीपी में वृद्धि से सही ढंग से जोड़ते हैं। वे लिखते हैं कि गरीबी का निर्धारण जीडीपी वृद्धि, कीमतों और सेफ्टी नेट जैसे फैक्टर्स से होता है। जीडीपी वृद्धि 2022-23 में 7.6इ से बढ़कर 2023-24 में 9.2फीसदी हो गई, यानी एक वर्ष में 1.6फीसदी की वृद्धि।उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) 2022-23 में 6.7फीसदी से घटकर 2023-24 में 5.4फीसदी हो गया यानी 1.3फीसदी अंकों की गिरावट। हालांकि इसी अवधि के दौरान खाद्य मुद्रास्फीति 6.6फीसदी से बढ़कर 7.5फीसदी हो गई है। ऐसे में लगता नहीं कि अगले चरण में कल्याणकारी कार्यक्रमों में कोई महत्वपूर्ण बदलाव होगा।भारत की कम प्रति व्यक्ति आय (2,900 डॉलर) की ओर इशारा किया जाता है। पर इसकी सही माप क्रय शक्ति समता पर आधारित है। मुंबई में 500 रु. में हवाई अड्डे से शहर तक पहुंचा जा सकता है, टोक्यो में 5,000 रु. लगते हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं।)

बड़ा दिल रखने के लिए पैसा नहीं, मंशा चाहिए!

'इंडिया का आखिरी होटल है। आइए, थोड़ा चाय-समोसा लीजिए, कोल्ड ड्रिंक पीजिए। अभी कार्यक्रम शुरू होने में काफी समय है।' मैं इस जगह पर कई बार आया हूं, लेकिन ये शब्द कभी नहीं सुने।

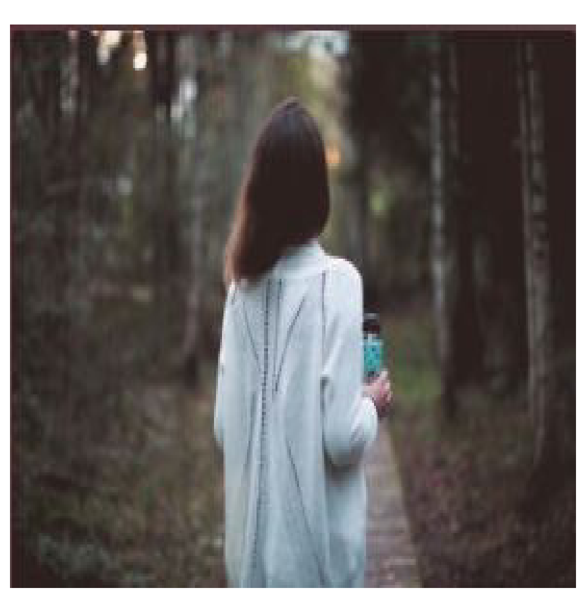

इसलिए मैं इस आवाज को लगाने वाले बख्शीश सिंह से मिलने के लिए कार से उतरा, जो अपने बड़े भाई के नाम से 'बलजीत फूड कॉर्नर' नामक ढाबा चलाते हैं।मैंने चारों ओर निगाह डाली। वह झूठ नहीं बोल रहे थे। वास्तव में उनका ढाबा भारत और पाकिस्तान की सीमा को बांटने वाली जीरो माइल पर बने लोहे के विशाल गेट से पहले आखिरी था, इस गेट की सुरक्षा हमारी सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) करती है। चाय की चुस्की लेते हुए लोग, दोनों देशों को विभाजित करने वाले लोहे के दो मजबूत दरवाजों से पहले बने कड़ी सुरक्षा वाले कॉन्क्रीट के गेट देख सकते हैं।इस शनिवार की शाम को मैं 'सीमित हो गई' बीटिंग रिट्रीट समारोह को देखने के लिए वाघा-अटारी सीमा पर था। पहलगाम हमले के बाद सुरक्षा कारणों से 12 दिन निलंबित रहा ये समारोह 20 मई 2025 को फिर से बहाल हुआ था।मैं इस प्रतिष्ठित समारोह को देखना चाहता था, हालांकि इसमें अब लोहे के दरवाजे बंद ही रहते हैं और बीएसएफ तथा पाकिस्तानी रेंजरों के बीच पारंपरिक तौर पर होने वाली हाथ मिलाने की प्रक्रिया भी बंद कर दी गई है।सीमा से 300 फीट दूर खड़े होकर बख्शीश द्वारा परोसी गई चाय का स्वाद लेते हुए मैं ग्राहकों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता देख रहा था। वह दिन में महज 2 से 3 घंटे ही व्यापार करते हैं, जब भीड़ बीटिंग रिट्रीट में देशभक्ति भरे नजारे को देखने आती है और सूर्यास्त के साथ झंडा उतरते ही वापस लौट जाती है।वह जानते हैं यहां उन्हीं ग्राहकों के दोबारा आने की संभावना बहुत कम है। पर फिर भी अपनी सफेद दाढ़ी के पीछे चमकते दांतों वाली चौड़ी मुस्कान व सत्कार के साथ ग्राहकों को प्रभावित करने का कोई मौका वह नहीं चूकते। हालांकि उनकी यह अस्थाई दुकान, खाने की जरूरी चीजें बेचने वाली आखिरी ईटरी है, फिर भी मैंने उन्हें कोई भी सामान महंगे दामों पर बेचते हुए नहीं देखा।ये देखकर भरोसा कितना बढ़ जाता है, जब बख्शीश का परिवार हर गिलास को चमकाने में गर्व का अनुभव करता है! चूंकि उनके ढाबे में डिस्पोजेबल गिलास का उपयोग नहीं होता, इसलिए उनका परिवार चाय के हर गिलास को बड़े धैर्य से साफ कर रहा था। यहां तक कि वह खुद पर्यटकों से कह रहे थे कि वे उनसे खरीदी पानी की खाली बोतलें यहां-वहां फेंककर गंदगी न रें।बीएसएफ के जवान भी लोगों से गंदगी नहीं फैलाने का आग्रह कर रहे थे। यकीन मानिए बख्शीश सिंह ज्यादा कमाई नहीं कर रहे थे। उनके और उनके घरवालों के कपड़े इस बात का सुबूत थे कि वे बस गुजारा चला रहे थे, लेकिन देश के प्रति उनका प्यार और देशवासियों के प्रति भाईचारा एक अलग ही स्तर पर था।उनके व्यापारिक कौशल में दया की एक मोटी पर्त थी, जो आम तौर पर स्वर्ण मंदिर कहे जाने वाले श्रीहरमिन्दर साहिब के 'लंगर' में दिखती है। जबकि गृहस्थी के गुजारे के लिए लाभ कमाने की मंशा बहुत कम दिख रही थी। ग्राहकों के पास भले ही बिल चुकाते वक्त पांच रुपए के छुट्टे नहीं हों, तब भी वह उसी मुस्कान के साथ उनको बाय बोल रहे थे।यह देखकर मुझे देश के बड़े हवाई अड्डों पर स्थित 'वांगो' जैसे चमक-धमक वाले रेस्तरां याद आ गए, जिनके डिस्प्ले बोर्ड पर लिखा होता है कि वे गर्म कॉफी पीतल के गिलास में परोसते हैं, जबकि वास्तव में वे इसे प्लास्टिक के गिलास में देते हैं। जिससे फिल्टर कॉफी नुकसानदेह हो जाती है।ग्राहकों के पास जब छुट्टे नहीं हों तो काउंटर पर बैठे कर्मचारी एक रुपया भी नहीं छोड़ते, जबकि वह जानते हैं कि उन्होंने कॉफी के लिए बेहद अजीब-सा 231 रुपए का दाम रखा है। मैंने कई बार ऐसे बुजुर्गों को वहां से नाराज होकर जाते देखा है, जो ऑनलाइन भुगतान के अभ्यस्त नहीं होते। उन बुजुर्गों के पास एक रुपया छुट्टा नहीं होता था और वह 240 रुपए देकर 9 रुपए की टिप भी नहीं देना चाहते थे।फंडा यह है कि बड़ा दिल रखने के लिए बड़े बटुए की जरूरत नहीं। इसके लिए महज एक छोटा-सा इरादा ही काफी है।

हम हमेशा नई चीजें नहीं खोजते, जाने-पहचाने में भी सुकून है...

कैसी है पिक्चर?- मैंने पूछा। 'इट्स अ वन टाइम वॉच'- मुझे जवाब मिला। छोड़ो पैसे बचे, टाइम बचा, मैंने अपने आपसे कहा। बात आई-गई हो गई। कई फिल्में आती हैं और जाती हैं और इसी तरह के वाक्य सुनने को मिलते है। हालांकि मैं उस नस्ल की पैदाइश हूं, जब 'शोले' 20 बार और 'दीवार' 30 बार देखी जाती। आप कहेंगे ऐसी फिल्में बनती कहां हैं आजकल, और आपका कहना बिलकुल जायज है।

पर क्या ये सिर्फ अच्छी और खराब फिल्मों की बात है, या फिर फिल्मों से ही हमारा रिश्ता बदल गया है? ये भी पूछा जा सकता है कि हमारा समय से रिश्ता बदल गया है और फिल्मों को 10-20 बार न देखना उस बदलते रिश्ते का एक उदहारण है। मेरी जिंदगी सिर्फ फिल्में देख-देख कर नहीं, सिर्फ गाने सुनकर और गुनगुनाकर नहीं, पर फिल्मों द्वारा जिंदगी को देखने से बनी है।

टीएस एलियट कहते हैं- 'आई हैव मेज़र्ड-आउट माय लाइफ विद कॉफी स्पून्स।' यानी मैंने अपने जीवन को कॉफी की चम्मचों से नापा है। पर मैं यही बात अमिताभ बच्चन की फिल्मों के लिए कहूंगी। सत्तर और अस्सी के दशक के अमिताभ। उसके बाद फिर मेरी फिल्मों से दूरी हो गई! कोई पूछता है जब यह या वह वाकया हुआ, तब तुम कितने साल की थीं? मैं सोचने लगती हूं, जब 'दीवार' देखी थी तो शायद मैं इतने साल की थी।

कहने का मतलब है ?कि हमारे काल पर फिल्मों की छाप थी और हम फिल्म-काल में रहते थे। इस तीव्र और गहरे रिश्ते के कई फायदे थे, जिनमें से एक यह था कि हम फिजूल में वॉट्सएप्प और सोशल मीडिया पर वक्त बर्बाद नहीं करते थे।

हमारे जेहन में कहानियां, गाने और डायलॉग भरे हुए थे और जिस तरह लोग कबीर या रहीम के दोहे दोहराते हैं, हम फिल्मी बातें दोहराते थे। हमारे लिए वे किसी दोहों से कम नहीं थीं। उन्हीं से हम सीखते कि दुःख सब पर आते हैं, कि कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना वगैरह-वगैरह।जिस समाज में गरीबी, असमानताएं और हिंसा से भरे वाकये हों, उसे फिल्मों द्वारा एक सुकून मिलता। शायद इसलिए हम बार-बार उसकी तरफ जाते। कहानियां हमेशा नई नहीं थी और किस मोड़ पर आकर उनका अंत होगा, वह भी हमें पता रहता था। यह मानने की जरूरत नहीं है कि हम हमेशा नई चीज ढूंढते हैं। अगर ऐसा होता तो लोग बार-बार रामलीला देखने क्यों जाते? जाना-पहचाना देखने में भी एक सुकून होता है।

बहरहाल, बोलचाल की जबान में फिल्म के डायलॉग आ जाते तो उसे झूठ नहीं माना जाता। शायद वह अलंकार ही समझा जाता! मुझे याद है मां गुस्सा होकर पिताजी से कहतीं- 'मैं चुप नहीं रहूंगी। जैसे मीना कुमारी कहती मुझे भी वही कहना है!

' यह सुनकर कोई हंस नहीं देता, परंतु उस गुस्से को ज्यादा दमदार समझता। अब आप सोचिए कि एक बार फिल्म देखने पर इतनी गहरी बात कैसे कही जा सकती है! फिल्मों के शीर्षक, गीतों के बोल, प्यार और रुस्वाई की अभिव्यक्तियां- यानी एक सम्पूर्ण शब्दावली ने हमारी भाषा को बनाया, सजाया और संवारा।

इसी से हमने समझा कि दर्द मीठा भी हो सकता है, कि जब गुस्ताखी करनी हो तो दिल के बहाने हम कर सकते हैं। अपने साहसी प्रयोजनों को 'दिल बेकरार है' कहकर जता सकते हैं।

जरा सोचिए, ऐसे कितने ही गाने हैं जिनमें दिल को माध्यम बना दिया गया है- 'मेरे दिल मैं आज क्या है, तू कहे तो मैं बता दूं' वगैरह। कभी-कभी आंखें भी काम कर जातीं, क्योंकि जो होठों पर इनकार होता, वह आंखों में इकरार बन जाता। जिस समाज में प्राइवेसी नहीं और घर-परिवार की निगाहें आप पर हों, वहां आप कैसे ठीक से किसी पर निगाह डालेंगे? बात आंखों पर आकर रुक जाती। समझदार के लिए इशारा काफी था। तो चलिए, मैं वहीं लौटती हूं, जहां से शुरुआत की थी। फिल्मों को बार-बार देखना, उन्हें अपनी जिंदगी का हिस्सा बना लेना- यह एक ऐसी नजदीकी को दर्शाता है, एक ऐसा बहाना, जिसकी हमें उस दौर में जरूरत थी, जिसमें हम जी रहे थे। हमारा शरीर, हमारी अपनी पहचान का एहसास, समय को लेकर हमारी सोच- ये सब कुछ बदल गया है।

शायद मेरे लिए इन दो अलग-अलग दौरों की तुलना करना बेकार ही है। गुजरा हुआ जमाना, आता नहीं दोबारा, हाफिज खुदा तुम्हारा... फिल्मों की कहानियां हमेशा नई नहीं थीं और किस मोड़ पर आकर उनका अंत होगा, वह भी हमें पता था। यह मानने की जरूरत नहीं है कि हम हमेशा नई चीज ढूंढते हैं।

अगर ऐसा होता तो लोग बार-बार रामलीला देखने क्यों जाते? (ये लेखिका के अपने विचार हैं रीटा कोठारी)

अनजाने में विवाद हम बढ़ाते, दोष औरों को देते हैं:दूसरों को बदलने की जिद छोड़ें, अपने भीतर की 'कर्कशता' को पहचानें: एक्सपर्ट

टाइम मैगजीन. न्यूयॉर्क। 'विवाद किसी के साथ भी हो...जीवन साथी, परिजन, दोस्त या सहकर्मी... अक्सर यही लगता कि झगड़े की वजह सामने वाला है। लेखक जेफरसन फिशर कहते हैं, 'हम सब कभी न कभी 'मुश्किल इंसान' होते हैं।' चुनौती इसे स्वीकारने में नहीं, बल्कि खुद को पहचानने में है। एक्सपर्ट के मुताबिक कुछ संकेत बताते हैं कि आप अनजाने में विवाद बढ़ा रहे हैं। इन्हें समझना जरूरी है, ताकि बातचीत मुद्दे पर रहे, आरोपों पर नहीं। कैसे पहचान सकते हैं इन संकेतों को, जानिए-असली मुद्दे से भटकना-जीवनसाथी से बहस में 'हमेशा' या 'कभी नहीं' जैसे शब्दों का प्रयोग बातचीत को पटरी से उतार देता है। फिशर के अनुसार, ये शब्द असली मुद्दे को दबाकर पुरानी बातों की 'टाइमलाइन' खोल देते हैं। थेरेपिस्ट अताली अब्रामोविची कहती हैं कि ऐसे कड़े शब्द सामने वाले को रक्षात्मक बना देते हैं। आरोप लगाने के बजाय खास घटना या तथ्य पर फोकस रखें। विवाद बढ़ने के बजाय सुलझता

है। पहचान पर हमला-बहस के दौरान 'तुम आलसी हो' जैसे जुमले पहचान पर हमले होते हैं। अताली कहती हैं,'पहचान पर चोट पहुंचने से व्यक्ति जुड़ने के बजाय विमुख हो जाता है। दोष मढ़ने के बजाय भावनाएं व्यक्त करें, जैसे- जब तुमने मेरी बात काटी, मुझे बुरा लगा।' भावनाओं पर कोई बहस नहीं कर सकता। हिसाब-किताब रखना-आप भी याद रखते हैं कि पिछली दिवाली पर किसके घर गए थे या बिजली का बिल किसने भरा था? फिशर कहते हैं,'रिश्तों को अकाउंटिंग जैसे चलाना इसे बोझिल बना देता है। हिसाब रखकर हम खुद को कमतर महसूस करते हैं। लक्ष्य 'सही साबित होना' नहीं, 'एक टीम' बनना होना चाहिए। व्यवहार में कठोरता-मनोवैज्ञानिक हैरियट लर्नर कहती हैं,'दोस्त आपको पार्टी में बुलाने से पहले सोचते हैं या घरवाले बात करने से पहले शब्दों को तौलते हैं, तो समझ लें कि वे आपकी प्रतिक्रिया को लेकर डरे हुए रहते हैं। यह संकेत है कि आपके व्यवहार में कठोरता आ गई है।' अलग मानक-फिशर एक टेस्ट बताते हैं। आप लेट होते हैं तो वजह रहती है- ट्रैफिक था। काम था। पर कोई और लेट हुआ तो आपने उसे लापरवाह माना, तो यह दोहरा मानक है। हम अपने व्यवहार को तर्कसंगत करते हैं। दूसरों के उसी व्यवहार को जज करते हैं। यह बहस में भी होता है। अपने तीखे टोन को 'मूड' कहकर टाल देते हैं। कोई और कहे तो बुरा मानते हैं। बचाव की मुद्रा-बचाव की मुद्रा जुड़ाव खत्म करती है। आलोचना सुनकर तुरंत 'लेकिन' कहने के बजाय, सामने वाले की सुनें। आप 2फीसदी भी सहमत हों, तो उतनी जिम्मेदारी लेकर माफी मांगें। पहले उन्हें सुनें, सफाई बाद में दें।'

भागवत बोले- भारत विश्वगुरु जरूर बनेगा, कोई संदेह नहीं,राम मंदिर बनने को लेकर भी लोग शक करते थे

नागपुर।तो इसे इसकी अपनी सभ्यता और सनातन मूल्यों की और सांस्कृतिक प्रथाएं। भारत को जानना, स्वीकार करना और दैनिक हैदराबाद में कहा- भारत को एक बार फिर 'विश्वगुरु' बनने की दिशा

दृष्टि से देखना होगा। उन्होंने कहा कि पिछले 150 वर्षों में विकसित हुई पश्चिमी सोच से भारत को नहीं समझा जा सकता। नागरिकों को इस विदेशी विचारधारा की परतों को उतार फेंकना होगा। यदि हम अपने संकल्प के अनुसार कदम दर कदम आगे बढ़ें, तो भारत मजबूत, सदाचारी और वैश्विक मार्गदर्शक बनेगा। भागवत ने कहा कि भारत को सही मायने में समझने के लिए, लोगों को पहले भारत को गहराई से समझना होगा और फिर उसे अपने दैनिक जीवन में उतारना शुरू करना होगा। आरएसएस प्रमुख ने नागरिकों से पश्चिमी सोच को त्यागने और विचार एवं व्यवहार में भारतीय परंपराओं से दोबार जुड़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन दैनिक जीवन में छोटे, लेकिन सार्थक बदलावों से शुरू होगा, जैसे कि भाषा, पहनावा, खान-पान की आदतें जीवन में जीना जरूरी है। इस बात पर जोर देते हुए कि आत्म-साक्षात्कार की ऐसी प्रक्रिया के माध्यम से ही एक मजबूत और आत्मविश्वासी भारत की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है। भागवत के पिछले 3 बड़े बयान-7 फरवरीः मुंबई में भागवत बोले- भारत में रहने वाले सभी हिंदू, संघ किसी के खिलाफ नहीं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 साल पूरे होने पर मुंबई में आयोजित कार्यक्रम में बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान भी शामिल हुए। वे फिल्ममेकर सुभाष घई और गीतकार प्रसून जोशी के साथ मंच के सामने बैठे और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का भाषण सुना। इस कार्यक्रम में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत में हिंदू ही है और कोई है ही नहीं। किसी खास रस्म या प्रार्थना से जुड़े धर्म को नहीं दिखाता, न ही यह किसी समुदाय का नाम है। भागवत ने में आगे बढ़ना चाहिए। यह कोई बड़ी महत्वाकांक्षा नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अब सनातन धर्म को फिर से जिंदा करने का समय आ गया है। करीब 100 साल पहले योगी अरविंद ने कहा था कि सनातन धर्म को फिर से जिंदा करना भगवान की मर्जी है और हिंदू राष्ट्र का उदय सनातन धर्म को फिर से जिंदा करने के लिए है। भागवत ने कहा- पहले लोग संघ के काम पर हंसते थे। डॉ. हेडगेवार पर भी हंसते थे, कहते थे नाक साफ नहीं कर सकते। ऐसे बच्चों को लेकर यह राष्ट्र निर्माण करने चले हैं। इस तरह का उपहास होता था। विचार भी अमान्य था। लोग कहते थे हिंदू संगठन मेंढक तोलने जैसी बात है, हो नहीं सकता है। हिंदू को काहे जगा रहे हो, मृत जाति है। काम करने के लिए शरीर चले, इसकी भी व्यवस्था नहीं थी।

वेनेजुएला में घुसकर राष्ट्रपति मादुरो को पकड़ने वाला सैनिक गिरफ्तार,पहले से मिशन की जानकारी थी

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका की स्पेशल फोर्स से जुड़े एक सैनिक मास्टर सार्जेंट गैनन केन वैन डाइक

को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि उसने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने वाले ऑपरेशन पर सट्टा लगाया और इससे करीब 4.09 लाख डॉलर (करीब 4 करोड़ रुपए) कमा लिए।डाइक अमेरिकी सेना के स्पेशल फोर्स (ग्रीन बैरे) का हिस्सा है। इसी यूनिट ने वेनेजुएला जाकर निकोलस मादुरो को पकड़ा था। ऐसे में डाइक को पहले से वेनेजुएला पर होने वाले सीक्रेट एक्शन की जानकारी थी। इसी जानकारी के आधार पर उसने दांव लगाया। उसके जीतने के बाद मिली रकम, भले ही गुमनाम थी, लेकिन तुरंत ही जांच एजेंसियों के शक में आ गई। डाइक अमेरिकी सेना में मास्टर सार्जेंट के पद पर था। यह एक सीनियर पद होता है। ऐसे अधिकारी को रणनीतिक और तकनीकी मामलों का विशेषज्ञ माना जाता है और वह यूनिट में अनुशासन और मानकों को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है।

मादुरो के तख्तापलट से जुड़े 13 दांव लगाए-जांच के मुताबिक, डाइक ने दिसंबर के आखिर में 'पॉलिमार्केट' नाम के प्लेटफॉर्म पर अकाउंट बनाया। यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जहां लोग भविष्य की घटनाओं पर दांव लगाते हैं। दिसंबर 2025 तक वेनेजुएला में घुसकर राष्ट्रपति मादुरो का तख्तापलट करने की घटना पर यकीन करने वाले लोग नहीं थे। डाइक ने इससे मिलते-जुलते नतीजों पर कुल 13 बार 32 हजार डॉलर का दांव लगाया, जैसे कि मादुरो कब तक सत्ता से हटेंगे या अमेरिका वेनेजुएला में कब तक सैन्य कार्रवाई करेगा। यह एक जोखिम भरा दांव था, लेकिन ऑपरेशन की अंदरूनी जानकारी होने के कारण उसे भरोसा था कि यह सच साबित होगा। ऑपरेशन सफल होते ही उसका दांव सही साबित हुआ और उसे भारी मुनाफा हुआ। छुपाने की कोशिशः क्रिप्टो के जरिए पैसे ट्रांसफर-रिपोर्ट्स के मुताबिक वैन डाइक ने अपनी पहचान छिपाने के लिए कई कदम उठाए। पहले उसने रकम को एक विदेशी क्रिप्टो वॉल्ट में भेजा, फिर अपने निजी क्रिप्टो अकाउंट में डाला और बाद में एक नए ब्रोकरेज अकाउंट में ट्रांसफर कर दिया। जब मादुरो को पकड़ने से जुड़ी संदिग्ध सट्टेबाजी की खबरें सामने आने लगीं, तो उसने अपना पॉलीमार्केट अकाउंट डिलीट करने की कोशिश की और झूठ बोला कि उसे अपने ईमेल का एक्सेस नहीं है। हालांकि तब तक जांच एजेंसियों की नजर उस पर पड़ गई थी। पॉलिमार्केट ने सोशल मीडिया पर कहा कि जब उन्हें पता चला कि कोई यूजर सीक्रेट सरकारी जानकारी के आधार पर ट्रेड कर रहा है, तो उन्होंने खुद यह मामला जस्टिस डिपार्टमें को सौंप दिया और जांच में सहयोग किया। कंपनी ने कहा कि इस तरह का अंदरूनी सट्टा उनकी नीति के खिलाफ है। वैन डाइक पर 4 गंभीर आरोप लगे हैं-सीक्रेट सरकारी जानकारी का दुरुपयोग वायर फ्रॉड कमोडिटी फ्रॉड गैरकानूनी वित्तीय लेनदेन इन आरोपों में दोषी पाए जाने पर डाइक को कई साल की जेल हो सकती है। व्हाइट हाउस ने संदिग्ध सट्टेबाजी को लेकर चेतावनी दी- यह मामला इसलिए भी बड़ा माना जा रहा है क्योंकि यह उन सबसे हाई-प्रोफाइल मामलों में से एक है, जहां किसी सरकारी कर्मचारी ने प्रेडिक्शन मार्केट के जरिए अंदर की जानकारी से पैसा कमाया। इसी वजह से व्हाइट हाउस ने अपने कर्मचारियों को पहले ही चेतावनी दी थी कि वे ऐसे प्लेटफॉर्म से दूर रहें, खासकर ऐसे समय में जब ईरान युद्ध से जुड़े मामलों पर भी संदिग्ध सट्टेबाजी बढ़ रही है। प्रिडिक्शन मार्केट ऐसे प्लेटफॉर्म होते हैं, जहां लोग भविष्य की घटनाओं जैसे चुनाव, युद्ध या राजनीतिक बदलाव पर दांव लगाते हैं। इस मामले में पहली बार किसी सैन्य अधिकारी ने गुप्त जानकारी का इस्तेमाल कर पैसे कमाए। ईरान युद्ध के दौरान भी लगे संदिग्ध दांव-यह मामला ऐसे समय सामने आया है जब अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच तनाव के दौरान भी भारी मात्रा में संदिग्ध दांव लगाए गए थे। रिपोर्ट्स के मुताबिकः-1 अरब डॉलर से ज्यादा के 'सटीक समय वाले' दांव लगाए गए अमेरिका के हमले से पहले 8.5 लाख डॉलर का दांव लगा सीजफायर से पहले ऑयल फ्यूचर्स में भारी ट्रेडिंग हुई. इन घटनाओं ने यह सवाल खड़ा किया है कि क्या बड़े फैसलों से पहले जानकारी लीक हो रही है। इस पूरे विवाद पर ट्रम्प ने कहा है कि दुनिया में अब एक नया और खतरनाक ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है। लोग राजनीतिक और अंतरराष्ट्रीय घटनाओं पर भी सट्टा लगाने लगे हैं। इस वजह से दुनिया एक तरह का कैसीनो बनती जा रही है। ट्रम्प ने कहा कि उन्हें इस तरह की सट्टेबाजी पसंद नहीं है। हालांकि, उन्होंने इस पर ज्यादा टिप्पणी करने से बचते हुए कहा कि यह एक चिंताजनक ट्रेंड है।

राघव चड्ढा पर प्रकाश राज ने कसा तंज-बीजेपी में जाने पर बोले- मैं दाऊद इब्राहिम से जुड़ रहा हूं

मुंबई। आम आदमी पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल होने वाले सांसद राघव चड्ढा पर एक्टर प्रकाश राज ने तंज कसा। प्रकाश राज ने ट्विटर पर अपनी पोस्ट में लिखा, 'मैं पुलिस फोर्स छोड़ रहा हूं क्योंकि वे अपराध से लड़ने के अपने वैल्यूज से भटक गए हैं। इसलिए मैं दाऊद इब्राहिम से जुड़ रहा हूं - राघव चड्ढा।' इसके साथ उन्होंने हंसने वाला इमोजी और #justasking भी लिखा। वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रकाश राज की कई भाषाओं में कई फिल्में आने वाली हैं। वे जन नायकन (तमिल), जी2 (तेलुगू), वरसानी (तेलुगू), स्पिरिट (तेलुगू), फादर (कन्नड़) और मिरेकल (तमिल) में नजर आएंगे। जन नायकन और जी2 इसी साल रिलीज होने वाली हैं, जबकि वरसानी और स्पिरिट 2027 में रिलीज होंगी।शुक्रवार शाम को आम आदमी पार्टी के 10 राज्यसभा सांसदों में से 7 सांसदों ने पार्टी छोड़ दी। इसका ऐलान पंजाब से राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने 4 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया। इसके बाद वह भाजपा कार्यालय पहुंचे, जहां राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने राघव के साथ संदीप पाठक और अशोक मित्तल को पार्टी की सदस्यता दिलाई। राघव ने बताया था कि राज्यसभा सांसद संदीप पाठक और अशोक कुमार मित्तल के अलावा हरभजन सिंह, विक्रमजीत सिंह साहनी, स्वाति मालीवाल, राजिंदर गुप्ता भी उनके साथ हैं।राघव ने कहा था कि पार्टी के दो-तिहाई सांसदों ने यह फैसला लिया। इसलिए दलबदल कानून लगने का कोई मतलब नहीं है। राघव चड्ढा ने कहा था कि पिछले कुछ सालों से, मुझे यह महसूस हो रहा था कि मैं गलत पार्टी में सही आदमी हूं। हमने यह फैसला किया है कि हम संविधान के प्रावधानों का इस्तेमाल करते हुए खुद को बीजेपी में मिला लेंगे।

वॉशिंगटन में डिनर के दौरान फायरिंग, ट्रम्प मौजूद थे,हमलावर पकड़ाया,दावा-7 राउंड फायरिंग हुई

वॉशिंगटन।सीक्रेट सर्विस और लॉ एन्फोर्समेंट एजेंसियों ने

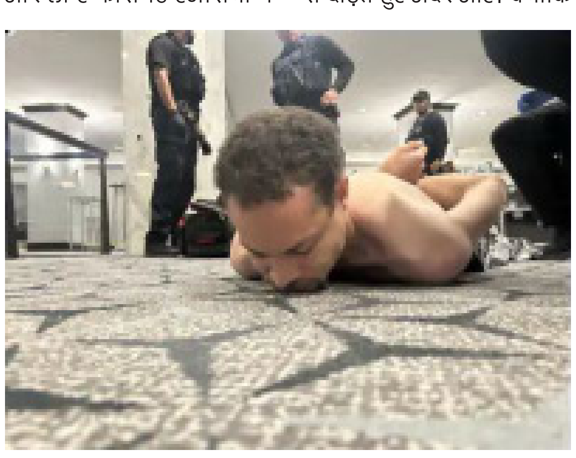

शानदार काम किया। उन्होंने तेजी से कार्रवाई की। हमलावर को पकड़ लिया गया है और मैंने सुझाव दिया है कि कार्यक्रम जारी रखें। न्यूज एजेंसी एएनआई की रिपोर्टर रीना भारद्वाज ने बताया, वॉशिंगटन के हिल्टन होटल के बैंक्वेट हॉल में अफरा-तफरी मच गई। मैंने सबसे पहले एक तेज आवाज सुनी। मुझे लगा कि शायद बर्तनों के गिरने की आवाज थी। लेकिन कुछ ही सेकेंड में मैंने देखा कि वेटर अपनी ट्रे लेकर अंदर भाग रहे थे और सुरक्षित जगह ढूंढ रहे थे। तभी मुझे लगा कि कुछ गड़बड़ है। टेबल पर बैठे लोग नीचे छिप गए। जब मुझे लगा कि अब उठना सुरक्षित है, तो मैंने देखा कि सुरक्षाकर्मी लंबी बंदूकें लिए मंच पर खड़े थे। अमेरिकी राष्ट्रपति को बाहर ले जाया जा चुका था। स्कॉट बेसेंट, काश पटेल, पीट हेगसेथ, विटकॉफ समेत उनके सभी कैबिनेट सदस्यों को एक-एक करके बाहर ले जाया गया। कार्यक्रम जल्द ही फिर से शुरू होने वाला है, यही घोषणा की गई है। सीएनएन की व्हाइट हाउस चीफ कॉरस्पॉन्डेंट कैटलिन कोलिंस ने बताया, हम हिल्टन के बॉलरूम के अंदर थे। गोलियों की आवाज सुनाई देने के कुछ ही मिनटों के अंदर एजेंटों ने कमरे को घेर लिया और मुख्य गलियारे से दौड़ते हुए अंदर आए। क्योंकि कैबिनेट के अधिकारी पूरे कमरे में अलग-अलग जगहों पर बैठे

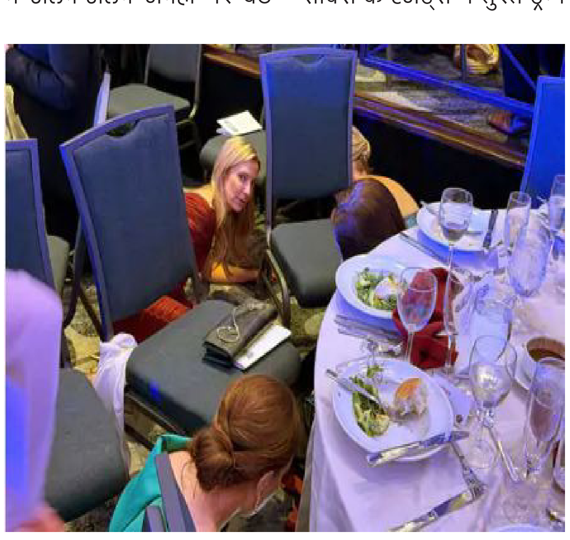

थे, इसलिए उनमें से कई लोग जमीन पर ही लेटे रहे और जब राष्ट्रपति को मंच से बाहर निकाला जा रहा था, तब तक वे मेजों के नीचे दुबके रहे। कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर मीडिया और राजनीति का एक एक खास सालाना कार्यक्रम होता है। इसे व्हाइट हाउस कवर करने वाले पत्रकारों का संगठन व्हाइट हाउस कॉरस्पॉन्डेंट्स एसोसिएशन आयोजित करता है। इसमें राष्ट्रपति खुद पर, अपने विरोधियों पर और मीडिया पर मजाक करते हैं। ट्रम्प पिछले साल इसमें शामिल नहीं हुए थे। वे 2011 में एक गेस्ट के रूप में आए थे। तभी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने उनका मजाक बनाया था, जिसके बाद ट्रम्प ने राष्ट्रपति चुनाव लड़ने का फैसला किया था। 13 जुलाई 2024 को ट्रम्प पर पेंसिल्वेनिया में एक चुनावी रैली के दौरान जानलेवा हमला हुआ था। बटलर शहर में कैंपेन रैली को संबोधित करते समय एक हमलावर ने 400 फीट की दूरी से असॉल्ट राइफल से गोलियां चलाईं, जिसमें एक गोली ट्रम्प के दाहिने कान के ऊपरी हिस्से को छूती हुई निकल गई। गोली चलने के बाद सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स ने तुरंत ट्रम्प को चारों तरफ से घेर लिया था और सुरक्षित बाहर ले गए। ट्रम्प को अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें जल्द ही छुट्टी मिल गई।

सुरक्षाकर्मियों ने हमलावर को तुरंत मार गिराया। इस घटना में रैली में शामिल एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे। ट्रम्प ने इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था, 'मुझे ईश्वर ने उन्हें बचाया।'

बंगाल में बीजेपी के रोड-शो में टीएमसी कार्यकर्ता घुसे, झड़प

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में सेकेंड फेज की वोटिंग 29 अप्रैल को होगी। उससे पहले

कोलकाता में सुरक्षाबलों ने फ्लैगमार्च निकाला। उधर रविवार को भाजपा सांसद रवि किशन ने हावड़ा में बीजेपी कैंडीडेट उमेश राय के समर्थन में रोड शो निकाला। इस दौरान कुछ टीमएसी समर्थक रोड शो में घुस गए। भाजपा समर्थकों से बहस हुई, हालांकि रवि किशन ने गाड़ी से एनाउंस किया कि कोई भी लड़ाई नहीं करेगा। सब लोग आगे बढ़ें। पीएम मोदी आज बनगांव और आरामबाग में जनसभा करेंगे। इसके बाद शाम 5:30 बजे कोलकाता में उनका रोड शो है। पीएम मतुआ समुदाय से जुड़े मंदिर भी जाएंगे। ये मंदिर संप्रदाय के संस्थापकों- हरि चंद और गुरु चंद ठाकुर का पवित्र स्थल है। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में सुरक्षाबलों ने 29 अप्रैल को दूसरे और अंतिम चरण के मतदान से पहले बालीगंज में फ्लैग मार्च निकाला।

यूएस प्रेसिडेंट ट्रम्प का गोल्ड कार्ड वीजा हुआ फ्लॉप,अब तक सिर्फ 1 व्यक्ति ने ही लिया जबकि 1300 आवेदन बेचे जाने का किया था दावा

वाशिंगटन। अमेरिका में अब तक केवल एक व्यक्ति ने ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का बहुचर्चित 'गोल्ड कार्ड' वीजा हासिल किया है। गोल्ड कार्ड वीजा में कोई विदेशी 10

लाख डॉलर (9 करोड़ रुपए से ज्यादा) देकर अमेरिका में रहने और काम करने का अधिकार पा सकता है। वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक ने संसदीय समिति की सुनवाई में यह जानकारी दी। यह आंकड़ा उनकी पहले की उस घोषणा से काफी कम है, जिसमें उन्होंने कहा था कि योजना लॉन्च होने के कुछ ही दिनों में करीब 10,800 करोड़ रु. के 1300 आवेदन बेचे जा चुके हैं। लुटनिक ने सुनवाई के दौरान कहा कि फिलहाल सैकड़ों आवेदन प्रक्रिया में हैं। ट्रम्प ने फरवरी, 2025 में 'गोल्ड कार्ड' वीजा प्रोग्राम शुरू करने का ऐलान किया था। हालांकि उस वक्त उन्होंने इसकी कीमत 5 मिलियन डॉलर रखी थी। सितंबर में इसे घटाकर 1 मिलियन डॉलर कर दिया गया था। ट्रम्प का कहना था कि यह अमेरिका फर्स्ट एजेंडे का हिस्सा है, जो टॉप टैलेंट (जैसे भारत-चीन से पढ़े स्टूडेंट्स) को रोकने और कंपनियों को अमेरिका लाने के लिए है। गोल्ड कार्ड की अनलिमिटेड रेसीडेंसी में नागरिकों को सिर्फ पासपोर्ट और वोट देने का अधिकार नहीं मिलता, बाकी सारी सुविधाएं एक अमेरिकी नागरिक के जैसी मिलती हैं। यह प्रक्रिया उसी तरह होगी, जैसे ग्रीन कार्ड के जरिए स्थायी निवास मिलता है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा था कि यह वीजा प्रोग्राम खास तौर पर धनी विदेशियों के लिए है, ताकि वे 1 मिलियन डॉलर देकर अमेरिका में रहते हुए काम कर सकें। अब अमेरिका सिर्फ टैलेंटेड लोगों को ही वीजा देगा, न कि ऐसे लोगों को जो अमेरिकियों की नौकरियां छीन सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस रकम का इस्तेमाल टैक्स को घटाने और सरकारी कर्ज चुकाने में किया जाएगा। ट्रम्प ने गोल्ड कार्ड के अलावा 3 नए तरह के वीजा कार्ड भी लॉन्च किए थे। इनमें 'ट्रम्प गोल्ड कार्ड', 'ट्रम्प प्लेटिनम कार्ड' और 'कॉर्पोरेट गोल्ड कार्ड' शामिल हैं। ट्रम्प गोल्ड कार्ड व्यक्ति को अमेरिका में

अनलिमिटेड रेसीडेंसी (हमेशा रहने) का अधिकार देगा। वहीं ट्रम्प प्लेटिनम कार्ड जल्दी शुरू किया जाएगा। कॉमर्स सेक्रेटरी हॉवर्ड लुटनिक के मुताबिक, यह गोल्ड कार्ड मौजूदा ईबी-1 और ईबी-2 वीजा की जगह लेगा। ग्रीन कार्ड श्रेणियां बंद हो सकती हैं। ईबी-1 वीजा अमेरिका का एक स्थायी निवास (ग्रीन कार्ड) वीजा है। ईबी-2 वीजा भी ग्रीन कार्ड के लिए है, लेकिन उन लोगों के लिए जो उच्च शिक्षा (मास्टर्स या उससे ऊपर) की योग्यता रखते हों।ट्रम्प गोल्ड कार्ड से जुड़े सवाल-जवाब-1.सवालः ट्रम्प गोल्ड कार्ड क्या है? जवाबः गोल्ड कार्ड एक नया वीजा/रेसिडेंसी प्रोग्राम है, जिसे डोनाल्ड ट्रम्प ने पेश किया है। यह अमेरिका में लंबे समय तक रहने, काम करने और नागरिकता पाने का एक विकल्प है। 2.सवालः यह कार्ड किसको मिलेगा? जवाबः पारंपरिक वीजा या 'ग्रीन कार्ड' से अलग यह प्रोग्राम खासतौर से अमीरों, इन्वेस्टर्स, बिजनेसमैन या टैलेंटेड प्रोफेशनल के लिए बनाया गया है। 3.सवालः ट्रम्प कॉर्पोरेट गोल्ड कार्ड क्या है? जवाबः ट्रम्प कॉर्पोरेट गोल्ड कार्ड कंपनी द्वारा अपने एक या अधिक कर्मचारियों के लिए जारी किया जाता है। कंपनी को प्रति कर्मचारी 15,000 डॉलर का गैर-वापसी योग्य डीएचएस शुल्क देना होता है। वेटिंग पूरी होने के बाद प्रति कर्मचारी 2 मिलियन डॉलर देना होता है। 4.सवालः कंपनी स्पॉन्सरशिप बदलना चाहे तो क्या होगा? जवाबः अगर कंपनी किसी कर्मचारी का स्पॉन्सरशिप बदलना चाहे तो नए कार्ड के लिए फिर से 2 मिलियन डॉलर नहीं देना पड़ता। पुराना कार्ड नए कर्मचारी के लिए इस्तेमाल हो जाता है। इसमें 1फीसदी सालाना मेंटेनेंस फीस और 5फीसदी ट्रांसफर फीस (नई डीएचएस बैकग्राउंड चेक सहित) भी लगती है। 5.सवालः आवेदक को कौन से फायदे मिलते हैं? जवाबः आवेदक को ईबी-1 या ईबी-2 वीजा के तहत लॉफुल परमानेंट रेजिडेंट स्टेटस (ग्रीन कार्ड) मिलता है। 6.सवालः क्या परिवार के सदस्य भी आवेदन कर सकते हैं? जवाबः हां। पति/पत्नी और 21 साल से कम उम्र के अविवाहित बच्चे मुख्य आवेदक के साथ शामिल किए जा सकते हैं। उन्हें भी तेज प्रोसेसिंग मिलती है। हर परिवार के सदस्य के लिए अलग से 15,000 डॉलर डीएचएस शुल्क और 1 मिलियन डॉलर देना होता है।7.सवालः आवेदन कैसे करें और क्या जिम्मेदारी है? जवाबः ऑनलाइन आवेदन और 15,000 डॉलर का शुरुआती शुल्क वेबसाइट (https://trumpcard.gov/) के माध्यम से जमा करना होता है। इसके बाद डीएचएस वेटिंग शुरू करता है। वेटिंग सफल होने पर आगे की फीस जमा करनी होती है। ळएण्घ्ए ईमेल के जरिए स्ब्ळएण्घ्ए्ुदन अकाउंट बनाने और आगे के दस्तावेज जमा करने के निर्देश भेजता है। 8.सवालः पेमेंट कैसे करें? जवाबः 15,000 डॉलर प्रोसेसिंग फीस- क्रेडिट कार्ड (अमेरिकी व अंतरराष्ट्रीय) या एसीएच डेबिट (केवल अमेरिकी बैंक) 10 लाख या 20 लाख डॉलर फीस- वेटिंग के बाद मिले ईमेल के अनुसार एसीएच डेबिट या स्विफ्ट वायर ट्रांसफर-अन्य वीजा संबंधी छोटे शुल्क- अमेरिकी विदेश विभाग अलग से बताता है। 9.सवालः ट्रम्प प्लेटिनम कार्ड क्या है? (जल्द आ रहा है) जवाबः ट्रम्प प्लेटिनम कार्ड व्यक्ति को बिना किसी ट्रैवल वीजा के हर साल 270 दिन तक अमेरिका में रहने की अनुमति देता है। 10 सवालः ट्रम्प प्लेटिनम कार्ड के फायदे क्या है? जवाबः ट्रम्प प्लेटिनम कार्ड वाले व्यक्ति को विदेश से कमाई हुई इनकम पर अमेरिका में कोई टैक्स नहीं देना पड़ेगा।

अब एच-1 वीजा पर 3 साल रोक की तैयारीःडोनाल्ड ट्रम्प की पार्टी के सांसदों ने कड़े प्रावधानों वाला बिल संसद में पेश किया

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के राज में भारतीयों के लिए 'अमेरिकन ड्रीम' दुःस्वप्न बनता जा रहा है। अब ट्रम्प की पार्टी के सांसदों ने एच-1 बी वीजा पर 3 साल तक रोक सहित कई अन्य कड़े प्रावधानों वाला बिल संसद में पेश किया है। 7 रिपब्लिकन सांसदों की ओर से कांग्रेस (संसद) में पेश किए गए इस एच-1 बी दुरुपयोग रोकथाम बिल-2026 का उद्देश्य अमेरिकी लोगों के लिए नौकरी के ज्यादा मौके बनाना है। एरिजोना के रिपब्लिकन सांसद एली क्रेन ने बिल को संसद में रखा है। बिल पर हस्ताक्षर करने वाले अन्य सांसदों में ब्रैंडन गिल, पॉल गोसर और एंडी ओगल्स शामिल हैं। अमेरिकी हितों से जुड़े इस बिल पर डेमोक्रे?टिक पार्टी के कुछ सांसदों का भी समर्थन मिलने के आसार हैं। सूत्रों के अनुसार, 100 सांसदों की सीनेट में 60 सांसदों का समर्थन मिलने के बाद साल के अंत तक वोटिंग संभव है। इस बिल से सबसे ज्यादा भारतीय प्रभावित होंगे। क्योंकि, अमेरिका में हर साल जारी होने वाले लगभग 85 हजार एच-1 बी वीजा में से लगभग 63 हजार वीजा भारतीय प्रोफेशनल्स को मिलते हैं। दूसरे नंबर पर चीन के प्रोफेशनल्स आते हैं। ट्रम्प के कट्?टरपंथी मागा समर्थक (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) एच-1 बी वीजा के विरोधी रहे हैं। उनका मानना है कि विदेशी खासकर भारत से आने वाले प्रोफेशनल्स अमेरिकियों की जॉब को हड़प रहे हैं। ट्रम्प अपने वोटर बेस के चलते इस वीजा को लगातार कठिन बना रहे हैं। वीजा स्टैम्पिंग के लिए भारत आना जरूरी होता है। पर यहां अमेरिकी दूतावासों में रिनुअल इंटरव्यू लगभग नहीं के बराबर ही हो रहे हैं। जनवरी के इंटरव्यू नवंबर-दिसंबर तक रीशेड्यूल हो चुके हैं। कई प्रोफेशनल्स जॉब गंवा चुके हैं। ट्रम्प पिछले साल एच-1 बी वीजा की फीस को लगभग 100 गुना बढ़ाकर 94 लाख रुपए कर चुके हैं। इसके चलते पहले से ही इस वीजा कैटेगरी में अमेरिका में एंट्री कठिन हो चुकी है। नए बिल के अनुसार, तीन साल बाद एच-1 बी वीजा फिर शुरू करने पर वर्तमान के 85 हजार प्रोफेशनल्स के कोटा को घटाकर 25 हजार प्रोफेशनल्स प्रति वर्ष किया जाएगा। एच-1 बी उन्हीं को, जिनको अमेरिकी नियोक्ता हर साल न्यूनतम 1 करोड़ 86 लाख रुपए का वेतन देंगे। वर्तमान में वीजा के लिए न्यूनतम वेतन निर्धारित नहीं। 2. वीजा में वर्तमान में लागू लॉटरी सिस्टम को खत्म किया जाएगा।

40 के बाद हड्डियां होतीं हैं कमजोर,शरीर के 10 इशारों को इग्नोर न करें, डॉक्टर से जानें हड्डियां मजबूत बनाने के 11 टिप्स

नयी दिल्ली। 40 की उम्र के बाद हड्डियों में कमजोरी एक 'साइलेंट' प्रॉब्लम है, जो धीरे-धीरे बढ़ती है। यह अक्सर तब

सामने आती है, जब फ्रैक्चर या दर्द होता है। दरअसल उम्र बढ़ने के साथ शरीर में कैल्शियम का अवशोषण कम हो जाता है और बोन डेंसिटी घटने लगती है। महिलाओं में मेनोपॉज के बाद यह प्रक्रिया और तेज हो जाती है। खराब लाइफस्टाइल, विटामिन डी की कमी, एक्सरसाइज की कमी और गलत खानपान इस खतरे को बढ़ा सकते हैं। परेशानी की बात यह है कि शुरुआत में इसके लक्षण बहुत स्पष्ट नहीं होते। इसलिए लोग इसे नजरअंदाज कर देते हैं। अगर समय रहते इस पर ध्यान दिया जाए तो बोन लॉस की प्रक्रिया को थोड़ा स्लो किया जा सकता है। आज 'जरूरत की खबर' में बोन हेल्थ पर बात करेंगे। साथ ही जानेंगे-हड्डियों की कमजोरी के क्या संकेत हैं? स्ट्रॉन्ग बोन हेल्थ के लिए लाइफस्टाइल कैसी होनी चाहिए? विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. अभिषेक कुमार मिश्रा, सीनियर कंसल्टेंट, ऑर्थोपेडिक्स एंड स्पाइन, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। कैल्शियम की कमी-उम्र बढ़ने के साथ शरीर में कैल्शियम का अवशोषण कम हो जाता है। अगर डाइट से पर्याप्त कैल्शियम नहीं मिलता तो शरीर हड्डियों से कैल्शियम लेने लगता है। इससे हड्डियां कमजोर होने लगती हैं। विटामिन डी की कमी-विटामिन डी कैल्शियम को शरीर में एब्जॉर्ब करने में मदद करता है। धूप में कम समय बिताने और खराब लाइफस्टाइल के कारण इसकी कमी हो जाती है। इससे हड्डियां कमजोर होती हैं। हॉर्मोनल बदलाव (खासकर महिलाओं में) महिलाओं में मेनोपॉज के बाद एस्ट्रोजेन हॉर्मोन तेजी से घटता है। यह हॉर्मोन हड्डियों को मजबूत रखने में मदद करता है। इसकी कमी से बोन लॉस बढ़ सकता है। बोन रिमॉडलिंग इंबैलेंस-हमारी हड्डियां लगातार टूटती और बनती रहती हैं। 30-35 साल की उम्र तक ये अपनी पीक स्ट्रेंथ पर होती हैं। 40 के बाद हड्डियां घिसने की प्रक्रिया तेज और बनने की प्रक्रिया स्लो हो जाती है.इसके कारण हड्डियां धीरे-धीरे पतली और कमजोर होने लगती हैं। लो फिजिकल एक्टिविटी-40 के बाद ज्यादातर लोग एक्टिव नहीं रहते हैं। हड्डियों की मजबूती के लिए फिजिकल एक्टिविटी जरूरी है। इसकी कमी से हड्डियां कमजोर पड़ती हैं। खराब लाइफस्टाइल-ज्यादा नमक, जंक फूड, कैफीन, शराब और स्मोकिंग हड्डियों से कैल्शियम

कम करती हैं और बोन डेंसिटी घटाती हैं। कुछ बीमारियां और दवाएं-थायरॉइड, किडनी डिजीज जैसी बीमारियां हड्डियों को कमजोर बना सकती हैं। लंबे समय तक स्टेरॉयड लेने से भी हड्डियां कमजोर हो सकती हैं। सवाल- हड्डियों की कमजोरी के क्या संकेत हैं? जवाब- हड्डियों की कमजोरी के शुरुआती संकेत बहुत हल्के होते हैं। इसलिए लोग इसे नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन समय रहते ये लक्षण पहचान लिए जाएं तो बड़ी समस्या से बचा जा सकता है। सवाल- 40+ एज में किन लोगों को बोन लॉस का रिस्क ज्यादा होता है? जवाब- कुछ लोगों को इसका रिस्क ज्यादा होता है। इसके पीछे शरीर, लाइफस्टाइल और मेडिकल फैक्टर्स जिम्मेदार हैं। पॉइंटर्स में देखिए किन्हें ज्यादा रिस्क है- जिन्हें कैल्शियम/विटामिन डी की कमी है। जो फिजिकली कम एक्टिव रहते हैं। जो स्मोकिंग/ड्रिंकिंग करते हैं। जिनका बीएमआई बहुत कम है। जिनकी बोन डिजीज की फैमिली हिस्ट्री है। जिन्हें थायरॉइड है। जिन्हें किडनी डिजीज है। जिन्हें रूमेटाइड आर्थराइटिस है। जो मेडिकेशन पर हैं। जिनका सनलाइट एक्सपोजर कम है। जिनकी लाइफस्टाल खराब है। जिनकी उम्र 50 से ऊपर है। जिन महिलाओं को मेनोपॉज हो चुका है। सवाल- हड्डियां कमजोर होने से किन बीमारियों का रिस्क बढ़ता है? जवाब- कमजोर हड्डियां दर्द या थकान के साथ कई गंभीर बीमारियों का रिस्क बढ़ा सकती हैं। 40+ उम्र में यह रिस्क और ज्यादा हो जाता है। सवाल- बोन हेल्थ का पता कैसे लगाया जाता है? जवाब- बोन हेल्थ का सही आकलन सिर्फ लक्षणों से नहीं लगाया जा सकता है। इसके साथ टेस्ट और मेडिकल एसेसमेंट की भी जरूरत होती है।जैसेकि-बीएमडी (बोन मिनरल डेंसिटी) टेस्ट इसमें हड्डियों की डेंसिटी मापी जाती है। डुअल-एनर्जी एक्स-रे एब्जॉर्प्टियोमेट्री स्कैन किया जाता है। इससे पता चलता है कि हड्डियां नॉर्मल हैं, कमजोर हैं या ऑस्टियोपोरोसिस (हड्डियां पतली या कमजोर होना) है। एक्स-रे-इससे हड्डियों के स्ट्रक्चर और फ्रैक्चर का पता चलता है। हालांकि शुरुआती बोन लॉस इसमें नहीं दिखता है। ब्लड टेस्ट-कैल्शियम और विटामिन डी का लेवल जांचा जाता है। थायरॉइड या अन्य समस्याओं का भी पता चलता है। इससे हड्डियों की कमजोरी की वजह समझने में मदद मिलती है। फ्रैक्चर रिस्क एसेसमेंट टूल स्कोर यह एक कैलकुलेशन टूल है। यह उम्र, वजन, लाइफस्टाइल और मेडिकल हिस्ट्री के आधार पर फ्रैक्चर रिस्क बताता है। शारीरिक संकेतडॉक्टर कुछ लक्षणों के आधार पर अंदाजा लगाते हैं। जैसे- बार-बार फ्रैक्चर लगातार हड्डियों में दर्द -लाइफस्टाइल (डाइट, एक्सरसाइज) मेडिकल हिस्ट्री सवाल- लाइफस्टाइल का बोन हेल्थ पर क्या प्रभाव पड़ता है? जवाब- संतुलित डाइट, रेगुलर एक्सरसाइज और पर्याप्त धूप लेने से हड्डियां मजबूत होती हैं। जबकि खराब खानपान, लो फिजिकल एक्टिविटी, स्मोकिंग और ड्रिंकिंग हड्डियों को कमजोर करते हैं। गलत आदतें धीरे-धीरे बोन डेंसिटी कम करती हैं और समय के साथ ऑस्टियोपोरोसिस का रिस्क बढ़ा सकती हैं। सवाल-स्ट्रॉन्ग बोन हेल्थ के लिए लाइफस्टाइल कैसी होनी चाहिए? जवाब- हेल्दी लाइफस्टाइल और सही आदतें बोन हेल्थ को स्ट्रॉन्ग बनाने में मदद करती हैं। बोन हेल्थ से जुड़े कॉमन सवाल और जवाब-सवाल- क्या बिना टेस्ट के भी बोन हेल्थ का पता चल सकता है? जवाब- नहीं, केवल लक्षणों से सटीक पता नहीं चलता।

सही आकलन के लिए टेस्ट जरूरी होते हैं। सवाल- क्या बोन लॉस को पूरी तरह रोका जा सकता है? जवाब- पूरी तरह तो नहीं, लेकिन सही डाइट, रेगुलर एक्सरसाइज और हेल्दी लाइफस्टाइल से इसे काफी हद तक धीमा किया जा सकता है। सवाल- क्या हर व्यक्ति को 40 के बाद बोन डेंसिटी टेस्ट कराना चाहिए? जवाब- हां, लेकिन जिन्हें ज्यादा रिस्क है, उन्हें जरूर कराना चाहिए। जैसेकि-मेनोपॉज होने पर। जिन्हें पहले फ्रैक्चर हो चुका हो। जिन्हें कैल्शियम/विटामिन फ्रैक्चर रिस्क एसेसमेंट टूल की कमी है। जो लंबे समय से स्टेरॉयड ले रहे हैं। सवाल-क्या सिर्फ सप्लीमेंट लेने से हड्डियां मजबूत हो सकती हैं? जवाब-नहीं, सप्लीमेंट के साथ संतुलित डाइट और हेल्दी लाइफस्टाइल भी जरूरी है।सवाल- किन स्थितियों में डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है? जवाब- इन स्थितियों में डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है- किसी खास कारण के बिना लगातार हड्डियों में दर्द बना रहे।मामूली झटके में हड्डी टूट जाए। चलने-फिरने में दिक्कत या बैलेंस खराब हो। कमजोरी, थकान या मसल्स में दर्द हो। अगर बोन डिजीज की फैमिली हिस्ट्री हो। लंबे समय से स्टेरॉयड या अन्य दवाएं ले रहे हों। 50 साल से ज्यादा उम्र हो। सवाल- 40 की उम्र के बाद हड्डियां कमजोर क्यों होने लगती हैं? जवाब- 40 की उम्र के बाद हड्डियों का कमजोर होना एक सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन यह अचानक नहीं होता। इसके पीछे कई कारण हैं।

तुझे ना देखू तो चैन मुझे आता नहीं हैं अब तेरे सिवा कोई और मुझे भाता नहीं हैं-कहीं मुझे प्यार हुआ तो नहीं हैं- ये प्यार है या सिर्फ अट्रैक्शन

नोएडा। विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मैं बीएससी सेकेंड ईयर का स्टूडेंट

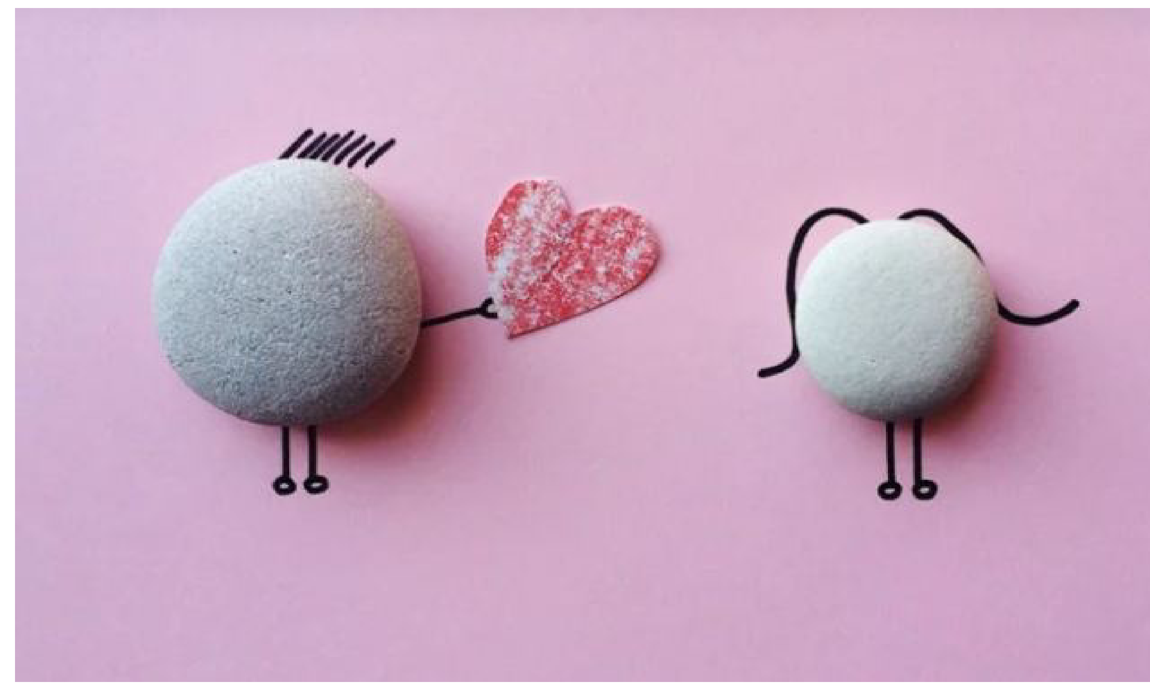

हूं। मेरी क्लास की एक लड़की से मेरी काफी अच्छी दोस्ती है। हम साथ बैठकर पढ़ते हैं और अपनी पर्सनल बातें भी शेयर करते हैं। वीकेंड्स पर हम साथ घूमने भी जाते हैं। पिछले कुछ समय से मुझे महसूस हो रहा है कि मेरे मन में उसके लिए अलग तरह की फीलिंग्स आने लगी हैं। उसे देखते ही खुशी होती है, उससे बात न हो तो बेचैनी होने लगती है। मैं अक्सर उसके बारे में ही सोचता रहता हूं। लेकिन मुझे समझ नहीं आ रहा कि ये सच में प्यार है या सिर्फ अट्रैक्शन। मैं अपनी फीलिंग्स को कैसे समझूं और इस सिचुएशन में मुझे क्या करना चाहिए? जवाब- आप जीवन के उस पड़ाव पर हैं, जहां भावनाएं बहुत तीव्र होती हैं। इस उम्र में किसी की तरफ अट्रैक्ट होना, हर वक्त उसके बारे में सोचना, बेचैनी होना बहुत स्वाभाविक है। ये अच्छी बात है कि आप अपनी भावनाओं को लेकर अवेयर हैं और जल्दबाजी में किसी फैसले से पहले इसे समझना चाहते हैं। चलिए अब आपकी उलझन को सुलझाने की कोशिश करते हैं।

प्यार और अट्रैक्शन में फर्क- प्यार और अट्रैक्शन के बीच थिन लाइन होती है, दोनों पेट में तितलियों जैसा एहसास कराते हैं। हालांकि, इनके मायने थोड़े अलग हैं। अट्रैक्शन-यह आमतौर पर बाहरी चीजों पर निर्भर करता है। जैसे लुक, स्टाइल, बात करने का तरीका, हंसी या कोई खास टैलेंट। यह बहुत तेजी से होता है और कई बार बहुत तीव्र भी होता है, लेकिन यह जरूरी नहीं कि टिकाऊ भी हो। प्यार-यह एक गहरा एहसास है, जो समय के साथ विकसित होता है। यह सिर्फ बाहरी सुंदरता पर निर्भर नहीं होता है। यह व्यक्ति के विचारों, उसके स्वभाव, उसकी अच्छाइयों-कमियों सबको स्वीकारने पर आता है। प्यार में स्थायित्व होता है और अक्सर लंबे समय तक टिका रहता है। ये प्यार है या आकर्षण? अपनी भावनाओं की गहराई नापने के लिए खुद से कुछ सवाल पूछें और ईमानदारी से उनके जवाब दें। यह कोई मनोवैज्ञानिक साइंटिफिक टेस्ट नहीं है। ये सवाल सिर्फ इसलिए है, ताकि आप खुद से पूछकर यह समझ सकें कि आप जो फील कर रहे हैं, वह प्यार है या आकर्षण। अगर सेक्शन 'ए' (प्यार) के ज्यादातर सवालों का जवाब 'हां' है तो इसका मतलब आप प्यार में हैं। अगर सेक्शन 'बी' (आकर्षण) के ज्यादातर सवालों का जवाब 'हां' है तो आपको आकर्षण है। यह वैल्यू जजमेंट की बात नहीं है। अगर प्यार है तो भी सुंदर है। अगर आकर्षण है तो भी उतना ही सुंदर है। अमूमन लोग अट्रैक्शन को 'कमतर' और प्यार को 'बड़ा' मानते हैं। लेकिन हकीकत यह है कि कई बार गहरे प्यार की शुरुआत एक छोटे से आकर्षण से ही होती है। इसलिए अपनी फीलिंग्स को जज न करें।नतीजे पर पहुंचने की जल्दी क्यों? इस वक्त में जो है, उसे महसूस करें-आपकी उम्र अभी सिर्फ 21 साल है। यह करियर बनाने और खुद को समझने का समय है। इतनी जल्दी किसी रिश्ते को 'प्यार' का नाम देकर खुद पर दबाव न डालें। इस वक्त जो है, उसे महसूस करें। दोस्ती बहुत अनमोल होती है। हो सकता है कि आप दोनों का यह तालमेल समय के साथ और गहरा हो जाए और स्वाभाविक रूप से प्यार में बदल जाए। ये भी हो सकता है कि यह रिश्ता सिर्फ एक अच्छी दोस्ती ही रहे। जो भी हो, उसे स्वाभाविक तरीके से होने दें। कुछ भी 'चेज' (पीछा) न करें या जबरदस्ती हासिल करने की कोशिश न करें। इसके साथ आपको यह भी समझने की जरूरत कि प्यार वो नहीं है, जो किताबों में अक्सर पढ़ने को मिलता है। प्यार वो नहीं, जो रोमांटिक किताबें हमें बताती हैं-फिल्मों और किताबों में प्यार को अक्सर विरह, तड़प, बेचैनी और पागलपन की तरह दिखाया जाता है। जबकि असल जिंदगी में प्यार का पैरामीटर बिल्कुल बुनियादी होना चाहिए। प्यार वो नहीं है, जो आपको कमजोर या असुरक्षित बनाए। जब भी लगे प्यार है, खुद से पूछें ये सवाल-जिंदगी में जब भी ये कन्फ्यूजन हो कि ये प्यार है या नहीं, तो खुद से एक ही सवाल पूछें- 'जब मैं उसके साथ होता हूं, तो अपने बारे में कैसा महसूस करता हूं?' अगर किसी के साथ होकर आप खुद को ज्यादा बेहतर, ज्यादा आत्मविश्वास से भरे, ज्यादा सुरक्षित और खुश महसूस करते हैं, तो इसका मतलब कि वह एक हेल्दी रिश्ता है। अगर किसी के साथ आप खुद को इनसिक्योर, छोटा या परेशान महसूस करते हैं तो वह प्यार नहीं, बल्कि एक टॉक्सिक सिचुएशन हो सकती है। प्यार सिर्फ खुशी है, प्यार सुंदरता है, प्यार मौज है। प्यार दुख-दर्द, पीड़ा और बोझ नहीं है। अंतिम सलाह-अभी आप सिर्फ अपनी दोस्ती को एन्जॉय करें। एक-दूसरे को और बेहतर तरीके से जानें। वक्त को अपना काम करने दें। अगर यह सच्चा प्यार होगा तो यह समय की कसौटी पर खरा उतरेगा और आपको खुद-ब-खुद इसका जवाब मिल जाएगा। जल्दबाजी न करें, जर्नी का आनंद लें।

आमिर खान बोले- बच्चों को वक्त नहीं दे पाया,फिल्म 'एक दिन' से पूरी हुई कमी, जुनैद की इंडिपेंडेंस पर गर्व, कहानी पर जताया भरोसा

मुंबई। आमिर खान इन दिनों अपनी प्रोड्यूस की गई फिल्म 'एक दिन' को लेकर सुर्खियों में हैं। इसमें उनके बेटे जुनैद खान और साईं पल्लवी लीड रोल में नजर आएंगे। आमिर ने फिल्म से अपने इमोशनल कनेक्शन और एक पिता के तौर पर भावनाएं साझा कीं। उन्होंने माना कि व्यस्त करियर के चलते वह बच्चों को ज्यादा वक्त नहीं दे पाए, लेकिन इस फिल्म ने बेटे के साथ काम करने और करीब आने का मौका दिया। आमिर ने जुनैद की इंडिपेंडेंट सोच और अपने दम पर पहचान बनाने के जज्बे की तारीफ की। उन्होंने बदलते सिनेमाई ट्रेंड्स, मजबूत कहानियों की अहमियत और रोमांटिक फिल्मों की कमी पर राय रखी। साथ ही अरिजीत सिंह के साथ काम करने का अनुभव साझा किया। पेश हैं बातचीत के खास अंश।सवालः 'एक दिन' आपके लिए कितनी खास फिल्म है? जवाबः मेरे लिए यह कई वजहों से खास फिल्म है। सबसे बड़ी वजह यह है कि इसमें जुनैद हैं और मुझे प्रोड्यूसर के तौर पर उनके साथ काम करने का मौका मिला। यह सिर्फ फिल्म नहीं, बल्कि मेरे लिए पर्सनल जर्नी भी है। सवालः एक पिता के तौर पर यह अनुभव कैसा रहा?जवाबः सच कहूं तो मैंने अपनी जिंदगी में काम को ज्यादा समय दिया। जब बच्चे बड़े हो रहे थे, तब मैं उन्हें उतना वक्त नहीं दे पाया, जितना देना चाहिए था। यह बात मेरे अंदर हमेशा रहती है। सवालः क्या इस फिल्म से आपको वह कमी पूरी करने का मौका मिला? जवाबः हां, बिल्कुल। जुनैद हमेशा से इंडिपेंडेंट रहे हैं। उन्होंने कभी मुझसे कुछ नहीं मांगा, न गाड़ी, न कोई सुविधा। वो हर चीज अपने दम पर करना चाहते हैं। ऐसे में एक पिता के तौर पर जो करने की इच्छा होती है, वह मुझे इस फिल्म के जरिए करने का मौका मिला। यह मेरे लिए इमोशनल अनुभव है। सवालः कहानी ने आपको कितना प्रभावित किया?

जवाबः जब मैंने फिल्म की कहानी सुनी, तो वह सीधे मेरे दिल को छू गई। मैं खुद रोमांटिक इंसान हूं और मुझे ऐसी कहानियां पसंद हैं। इसकी सादगी और भावनाएं मुझे 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' और 'कुछ कुछ होता है' की याद दिलाती हैं। सवालः क्या आपको लगता है जुनैद का किरदार उनसे मिलता-जुलता है? जवाबः हां, काफी

हद तक। जुनैद बचपन से शाय और रिजर्व नेचर के रहे हैं। वो ज्यादा खुलकर बात नहीं करते थे, और मैं भी स्कूल-कॉलेज के दिनों में ऐसा ही था।सवालः क्या आपके और जुनैद के स्वभाव में समानता है? जवाबः बिल्कुल। जब मैंने एक्टिंग शुरू करने का फैसला लिया था, तब लोग हैरान हो गए थे कि यह चुप-चाप रहने वाला लड़का एक्टिंग कैसे करेगा। उसी तरह जुनैद भी शांत स्वभाव के हैं। इस लिहाज से हम दोनों में समानता है।

सवालः जुनैद की एक्टिंग में आपको क्या खास लगता है? जवाबः उनकी सबसे बड़ी खूबी है कि वो जिस किरदार को निभाते हैं, उसमें पूरी तरह ढल जाते हैं। 'महाराज' में वो वही किरदार लगते हैं। 'लवयापा' में उनका अलग शेड दिखता है। वो ईमानदारी और सच्चाई से एक्टिंग करते हैं, जो बड़ी बात है। सवालः आजकल एक्शन फिल्मों का दौर है, ऐसे में 'एक दिन' जैसी सॉफ्ट फिल्म को लेकर डर है? जवाबः हां, डर है। जब 'कयामत से कयामत तक' रिलीज हो रही थी, तब भी एक्शन फिल्मों का दौर था। उस समय भी लगता था कि हमारी सॉफ्ट फिल्म लोगों को पसंद आएगी या नहीं। आज 35 साल बाद भी वही डर है।

सवालः फिर भी आपको क्या भरोसा देता है? जवाबः मेरा मानना है कि टेक्नोलॉजी और ट्रेंड बदल सकते हैं, लेकिन कहानी की ताकत नहीं बदलती। अगर कहानी सच्चाई से कही गई है, तो वह दर्शकों तक जरूर पहुंचेगी। सवालः क्या आपको लगता है दर्शक इस तरह की लव स्टोरी मिस कर रहे हैं? जवाबः हां, मुझे लगता है कि काफी समय से ऐसी मासूम, सच्ची लव स्टोरी नहीं आई है। आजकल ज्यादातर फिल्मों में या तो बड़ा स्केल होता है या ज्यादा ड्रामा। ऐसे में यह फिल्म अलग है। सवालः 'कयामत से कयामत तक' और 'एक दिन' में कोई कनेक्शन देखते हैं? जवाबः कुछ दिलचस्प समानताएं हैं। जैसे दोनों फिल्मों की रिलीज टाइमिंग काफी करीब है। 'कयामत से कयामत तक' 29 अप्रैल को आई थी और यह फिल्म भी एक मई को लगभग उसी समय रिलीज हो रही है, करीब 38 साल बाद।सवालः क्या फिल्म की एंडिंग में बदलाव किया गया? जवाबः हां, शुरुआत में शूट की गई एंडिंग से हम पूरी तरह संतुष्ट नहीं थे। इसलिए आखिरी हिस्से पर दोबारा काम किया और उसे बेहतर बनाने की कोशिश की। सवालः क्या एंडिंग का इमोशन बदला? जवाबः नहीं, इमोशन वही रखा गया है। बस उसे प्रभावशाली बनाने के लिए ट्रीटमेंट में बदलाव किया गया है। सवालः अरिजीत सिंह के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा? जवाबः बहुत शानदार रहा। उन्होंने पहले हमारे गाने के लिए हां कर दी थी, लेकिन बाद में सोशल मीडिया पर गाने छोड़ने की घोषणा कर दी। उस समय हम घबरा गए थे। सवालः फिर क्या हुआ? जवाबः मैंने उन्हें फोन कर पूछा कि क्या हम आएं या नहीं। उन्होंने प्यार से कहा कि वो हमारा गाना जरूर गाएंगे। उनके साथ काम करना घर जैसा अनुभव था। सवालः अरिजीत के साथ आपकी केमिस्ट्री कैसी रही? जवाबः बहुत अच्छी। वो ब्रिलिएंट और गिफ्टेड आर्टिस्ट हैं। साथ ही सिंपल और अच्छे इंसान हैं। उनके साथ बना कनेक्शन हमेशा रहेगा। सवालः नए टैलेंट को मौका देने के पीछे आपकी सोच क्या है? जवाबः मुझे लगता है कि अगर किसी में जुनून और मेहनत है, तो उसे मौका मिलना चाहिए। इंडस्ट्री को नए लोगों की जरूरत होती है। सवालः डायरेक्टर सुनील पांडे में आपको क्या खास लगा?

जवाबः वो हार्डवर्किंग और पैशनेट हैं। हर छोटी-बड़ी डिटेल पर उनकी नजर रहती है और वो काम में पूरी तरह डूब जाते हैं। सवालः क्या उन्होंने आपकी उम्मीदों पर खरा उतरा? जवाबः हां, बिल्कुल। जो हमने कागज पर सोचा था, वो उन्होंने स्क्रीन पर अच्छे से उतारा है। पूरी टीम फिल्म से खुश है। सवालः आप खुद को पुशी मानते हैं? जवाबः हां, मैं काम को लेकर सख्त हूं। लेकिन जब आप ऐसे लोगों के साथ काम करते हैं जो उतने ही डेडिकेटेड हों, तो काम आसान और मजेदार हो जाता है।

'मैं काफी अनकम्फर्टेबल थी',काजोल ने डेब्यू वेब सीरीज के लिए 30 साल बाद नो-किस पॉलिसी तोड़ी थी,कारण अब बताया

मुंबई। एक्ट्रेस काजोल ने हाल ही में बताया कि वेब सीरीज 'द ट्रायलः प्यार, कानून, धोखा' में पहला ऑनस्क्रीन किस करने को लेकर शुरुआत में वह असहज थीं। उन्होंने बताया कि तीन दशक पुरानी

नो किसिंग पॉलिसी उन्होंने सिर्फ किरदार की डिमांड के कारण तोड़ी थी। काजोल ने अपने तीन दशक लंबे करियर में 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'कुछ कुछ होता है' और 'कभी खुशी कभी गम' जैसी कई हिट फिल्में दी हैं। इस दौरान उन्होंने हमेशा ऑनस्क्रीन 'नो किसिंग पॉलिसी' को फॉलो किया था। हालांकि, साल 2023 में वेब सीरीज 'द ट्रायलः प्यार, कानून, धोखा' से ओटीटी डेब्यू करते हुए उन्होंने पहली बार ऑनस्क्रीन को-स्टार जिस्सू सेनगुप्ता के साथ किस सीन दिया था।लिली सिंह के पॉडकास्ट में काजोल से जब इसको लेकर सवाल पूछा गया था। उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो यह उस रोल की जरूरत थी, जो मैं निभा रही थी।इसका बहुत संबंध उस रोल और उसकी सोच से था। यह सिर्फ एक किस नहीं था। यह इस बारे में था कि वह क्या सोचती थी, क्या चाहती थी और उसके साथ क्या नहीं हुआ। वह किस बात पर भरोसा करती थी, किस बात पर विश्वास रखती थी और किस बात पर नहीं रख सकती थी। यह पूरी कहानी का बहुत जरूरी हिस्सा था, इसलिए इसे हटाना मतलब किरदार के एक अहम हिस्से को हटाना होता।' 'मैं बहुत अनकम्फर्टेबल थी'-काजोल जब पॉडकास्ट में पूछा कि क्या एक इंसान के तौर पर भी काजोल बदलीं, जिससे उन्हें यह करने में सहज महसूस हुआ, तो एक्ट्रेस ने कहा, 'मैं इससे अनकम्फर्टेबल थी। सेट पर जाने तक मैं बहुत अनकम्फर्टेबल थी। बाद में सोचने पर यह ठीक लगा, लेकिन मुझे पक्का नहीं था कि मैं सच में यह करूंगी या बीच में बोल दूंगी, 'कट! यह नहीं होगा!' लेकिन मुझे लगा कि यह एक प्रोफेशनल फैसला था और उस दिन मैं यह फैसला ले सकती थी।' 'द ट्रायल' में काजोल ने नोयोनिका सेनगुप्ता का रोल किया था, जो अपने पति के स्कैंडल के बाद अपनी लीगल प्रैक्टिस फिर से शुरू करती है। यह सीरीज अमेरिकन शो द गुड वाइफ का इंडियन अडैप्टेशन है और जियो हॉटस्टार पर अवेलेबल है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।